निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक
सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 287 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ बुधवार 22 जुलाई ॥ 2026

सच-संक्षेप

झारखंड में माओवादी विद्रोही गुट का सदस्य गिरफ्तार

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में प्रतिबंधित सीपीआई के एक अलग हुए गुट के सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने सोमवार को बताया कि 35 साल के नरेश गंझू उर्फ रविकांत जी को रविवार शाम मधनिया गांव से पकड़ा गया। गंझू माओवादियों से जुड़े कई मामलों में वांछित था।

गुजरात में 2,212 करोड़ की जब्त ड्रग्स को जलाकर नष्ट किया गया

भरूच। गुजरात में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के तहत उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी की मौजूदगी में भरूच जिले में करीब 2,212 करोड़ रुपये की जब्त ड्रग्स (नशीले पदार्थों) को भट्टी में जला कर नष्ट कर दिया गया। नष्ट किए गए मादक पदार्थों में अलग-अलग तरह के के नशीले पदार्थों की लगभग 11.10 लाख बोतलें और 14,500 किलो ड्रग्स शामिल थीं। यह जब्ती बीते साल के दौरान गुजरात के अलग-अलग हिस्सों से की गई थी।

मां-बाप ने एक लाख में बेचा नवजात, पुलिस ने बचाया

महबूबनगर । तेलंगाना के महबूबनगर जिले में पुलिस ने एक लाख रुपये में खुद के ही मां-बाप के बेचे गए एक महीने के नवजात को बचा लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में दो लोगों पर केस दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह वारदात जिले के तेलुगुगुडेम गांव की है। पुलिस ने 17 जुलाई को नवजात बच्चे को खरीदने वाले एक शख्स और एक बिचौलिए के खिलाफ यह कार्रवाई की।

खुले में शराब पीने पर 2100 रुपए जुर्माना

जोगिंद्रनगर(हिमाचल प्रदेश)। उपमंडल जोगिंद्रनगर के अंतर्गत विकास खंड चौंतड़ा की ग्राम पंचायत भडयाड़ा की इस कार्यकाल की पहली ग्राम सभा रविवार को उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। ग्राम सभा में पंचायतवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और पंचायत के विकास व सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। ग्राम सभा में निर्णय लिया गया कि पंचायत क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति खुले में शराब पीते हुए पकड़ा जाता है, तो उस पर 2100 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

दंपती पर जानलेवा हमला

इंफाल। मणिपुर के पूर्वी इंफाल जिले में अज्ञात हमलावरों ने एक दंपती के घर पर हमला बोला। हमलावरों ने पति को गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि हमले में पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि यह वारदात केइराओ वांगखेम इलाके में तड़के करीब 2.30 बजे हुई। बंदूक और धारदार हथियार से लैस हमलावर 52 साल के एन थाम्बो के घर में घुस आए और उन पर हमला बोल दिया। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने वालों से 1100 रुपए तथा आवारा पशु छोडने वाले व्यक्तियों से 2100 रुपए का जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा शादी-विवाह के अवसर पर किन्नरों द्वारा मनमाने ढंग से धनराशि वसूलने पर रोक लगाने का भी निर्णय लिया गया। ग्राम सभा ने तय किया कि ऐसे अवसरों पर उन्हें 1100 रुपए की सम्मान राशि ही दी जाएगी। सुरक्षा की दृष्टि से यह भी निर्णय लिया गया कि पंचायत क्षेत्र में फेरी लगाने के लिए आने वाले बाहरी व्यक्तियों को पुलिस सत्यापन (वेरिफिकेशन) के बाद ही पंचायत में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। ग्राम सभा में पंचायत प्रधान अभिनव ठाकुर, उपप्रधान बृज लाल सहित सभी वार्ड पंच एवं बड़ी संख्या में पंचायतवासी उपस्थित रहे। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि इन निर्णयों का उद्देश्य पंचायत में स्वच्छता, कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना है।

यात्रियों को उतार रही बस में पीछे से घुसा तेज रफ्तार ट्रक, 10 से अधिक यात्री घायल

मैहर। मैहर के अमरपाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-30 पर कल रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ग्राम पड़हा के पास रीवा से नागपुर जा रही एक यात्री बस को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के समय बस सड़क किनारे यात्रियों को उतार रही थी। अचानक हुई इस टक्कर से बस के पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और बस से उतर रहे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में करीब एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं, जिनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रक चालक भी इस हादसे में घायल हुआ है।जानकारी के अनुसार, कल रात रीवा से नागपुर जा रही यात्री बस ग्राम पड़हा के पास निर्धारित स्थान पर यात्रियों को उतारने के लिए रुकी थी। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहा ट्रक बस से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस से उतर रहे कई यात्री उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग तत्काल घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े।

पेपर लीक और रोजगार की मांग को लेकर आज भी हजारों की संख्या में जंतर-मंतर पहुंच रहे हैं युवा और छात्र

भूख हड़ताल के 24वें दिन वांगचुक की तबियत स्थिर कॉकारोच जनता पार्टी का 32वें दिन प्रदर्शन जारी

आज संसद मार्च नहीं, क्योंकि सरकार ने बर्बरता की, पुलिस ने छात्रों का खून बहाया, उन्हें परवाह नहीं हमें है : दीपके

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

पेपर लीक मामले और देश में बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र और युवा आज भी दिल्ली में जमे हुए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का आज 32वें दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। इधर 24 दिन से भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तबियत स्थिर बताई जा रही है। कल हुए जबर्दस्त प्रदर्शन के बाद आज कॉकरोच जनता पार्टी संसद मार्च नहीं कर रही है। सीजेपी के फाऊंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि आज हम इसलिए मार्च नहीं निकाल रहे हैं क्योंकि कल सरकार ने बर्बरता की और पुलिस ने हमारे साथी छात्रों और युवाओं का खून बहाया। इन्हें छात्रों की कोई परवाह नहीं है हमें है। वे पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस विषय पर राजनीति नहीं होना चाहिए, दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने हा कि सरकार ने हालिया पेपर लीक मामलों को गंभीरता से लिया है और इस पर त्वरित कार्रवाई की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगते केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर विरोध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से भी इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि कल हुई घटना पर जवाबदारी तय होना चाहिए और हमारी मांग है कि कल छात्रों पर हुई बर्बरता और परीक्षा संकट के लिए सरकार पूरी तरह से जवाहदेही है। संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। संसद अगर भारत के युवाओं के भविष्य पर चर्चा नहीं कर सकती तो यह किस काम कीह। इससे पहले राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे और कल हुए प्रदर्शन में घायल छात्रों से मिले। घायल छात्रों से मिलने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, सांसद संजय सिंह भी पहुंचे।

छात्रों की आवाज दबने नहीं देंगे : राहुल

इस मुद्दे को न दबने देने का संकल्प लेते हुए राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष छात्रों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे दबने नहीं देगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि छात्रों की आवाज सड़कों और संसद दोनों जगह सुनी जाए। व

शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी, इस्तीफा दें : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'यह सरकार पूरी तरह युवा विरोधी है। यह युवाओं, गरीबों और किसानों के खिलाफ है। पिछले 12 साल से हम यही देख रहे हैं।' छात्रों की आवाज भी दबाई जा रही है। वे बच्चे हैं, उनकी बात शांतिपूर्वक सुननी चाहिए।'

पेपर लीक पर राजनीति न हो : प्रधानमंत्री मोदी

एनडीए संसदीय दल की बैठक में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि पेपर लीक मामले में दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से किसानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन (एनडीए) के संसदीय दल की बैठक मंगल मिलन की अध्यक्षता की। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत एनडीए के कई नेता शामिल हुए। यह विशेष बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करने और राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत करने के लिए आयोजित की गई है। एनडीए की मंगल मिलन बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार की प्रतिबद्धता स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि सरकार ने हालिया पेपर लीक के मामलों को गंभीरता से लिया है।

वह हमें उलझा रहे थे, नड्डा के घर किया नजरबंद : दीपके

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात को लेकर कहा कि सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को नजरबंद किया गया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के पुरुष कर्मियों पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया है।

निर्मम सरकार है: डिंपल

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि बच्चे ये बताने चाहते थे कि सरकार का सिस्टम बीमार पड़ गया है और उनके हित के बारे में नहीं सोच रहा है। लेकिन उन बच्चों को लाठियां खानी पड़ी। ये इतनी निर्मम सरकार है और बच्चों ने इतना आंसू बहाए हैं सरकार को इनके आंसुओं पर भी दया नहीं आ रही है। ये शिक्षा मंत्री को अभी भी पद से हटा नहीं रहे हैं, हमें इन्हें वोट के माध्यम से हटाना है एक यही हमारे पास हथियार है।

हजारों की संख्या में किसान भी पहुंचे दिल्ली

प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते (ट्रेड डील) के विरोध में दिल्ली के किसान घाट पर आयोजित महापंचायत में शामिल होने जा रहे किसानों को आज हरियाणा और दिल्ली की सीमाओं पर कई स्थानों पर रोक दिया गया। हरियाणा सरकार ने पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर को सील कर दिया, जबकि बहादुरगढ़ में अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) पर पंजाब से दिल्ली जा रही किसानों की पांच बसों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। वहीं, कैथल के बरटा गांव के पास दिल्ली-कटरा राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर बैरिकेडिंग के कारण करीब 15 किलोमीटर लंबा यातायात जाम लग गया। प्रशासन ने इन कदमों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कार्रवाई बताया, जबकि किसान संगठनों ने इसे शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार में बाधा करार दिया।बहादुरगढ़ में रोके गए किसानों का कहना है कि वे जंतर-मंतर पर किसी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि पहले से तय एक दिवसीय धरने में शामिल होने के लिए किसान घाट जा रहे थे।

अमेरिका ने लगातार 10वीं रात ईरान पर बमबारी की

तेहरान का कुवैत में यूएस बेस पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ॥ एजेंसी

अमेरिका ने मंगलवार को लगातार 10वीं रात ईरान के दक्षिणी हिस्सों में हवाई हमले किए। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सीरिक, बंदर अब्बास, क़ेश्म द्वीप, चाबहार और कोनारक समेत कई इलाकों में विस्फोट हुए। दूसरी ओर, ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने हाल के घंटों में कुवैत के कैंप अरिफजान में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर तैनात मिसाइल सिस्टम को निशाना बनाया। हालांकि, इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है।उधर, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया है। हूतियों ने कहा कि बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को सऊदी जहाजों के लिए बंद किया जाएगा और उनके सारे जहाज हमारे निशाने पर रहेंगे। यह जलमार्ग लाल सागर का एंट्री गेट है, जहां से दुनिया का करीब 10त्न वैश्विक व्यापार गुजरता है।अमेरिका-ईरान युद्ध का असर अब तेल बाजार पर दिखने लगा है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत फिर 4 डॉलर (करीब 345 रुपए) प्रति गैलन यानी लगभग 91 रुपए प्रति लीटर के बराबर पहुंच गई है। अमेरिका के लगातार हमलों के जवाब में ईरान कुवैत, बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले कर रहा है। लेकिन उसने अब तक खाड़ी में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों या इजराइल पर सीधे बड़े हमले नहीं किए हैं। डिफेंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इसके पीछे रणनीतिक वजहें हैं। लेबनान के रिटायर्ड ब्रिगेडियर जनरल एलियास हन्ना के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी नौसैनिक युद्धपोत या एयरक्राफ्ट कैरियर पर हमला करता है, तो अमेरिका बेहद बड़े सैन्य अभियान के साथ जवाब दे सकता है। इससे जंग कई गुना बढ़ सकती है।

अमेरिका ने माना- ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल

अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96त्न सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कनकशन) लगी थी।

कुवैत में 3 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन अटैक किया : ईरान

ईरानी सेना ने दावा किया है कि उसने कुवैत में मौजूद तीन प्रमुख अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कामिकाजे ड्रोन से हमला किया है। ईरान के मुताबिक, हमले में कैंप अरिफजान, कैंप अल-अदीरी और अहमद अल-जाबेर एयरबेस को निशाना बनाया गया।ओमान के लिमाह तट के पास होर्मुज स्ट्रेट में एक ऑयल टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक, हमले के बाद चालक दल जहाज छोड़कर लाइफबोट में सवार हो गया।

मोदी ने मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वरिष्ठ कांग्रेस नेता को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने लिखा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी को जन्मदिन की बधाई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने बधाई दी।

बिजली कंपनी के इंजीनियर पर आयकर छापा, कई आलीशान बंगले कार और फैक्टरी के निकले मालिक

सच संवाददाता ॥ इंदौर

लोकायुक्त टीम ने मंगलवार सुबह 5.30 बजे मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (फाइनेंस) शिवराम सेमिल के 9 ठिकानों पर छापे मारे। शुरुआती जांच में वैध आय से करीब 258त्न अधिक संपत्ति मिली है। शिवराम सेमिल इन दिनों इंदौर स्थित पोलोग्राउंड कार्यालय में पदस्थ हैं।यह कार्रवाई लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय के नेतृत्व में की गई। इंदौर, धार (पीथमपुर, बगदून) और मुरैना समेत 9 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे गए।लोकायुक्त पुलिस ने शिवराम सेमिल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत केस दर्ज किया है।फिलहाल डीएसपी सुनील तालान, आनंद चौहान, दिनेश पटेल, दीपक शेजवार सहित लोकायुक्त की कई टीमें सभी 9 ठिकानों पर दस्तावेजों, बैंक खातों और बेनामी संपत्तियों की गहन जांच में जुटी हैं।

पत्नी में दिलचस्पी खत्म तो शादी नहीं तोड़ सकते

बंगलुरू। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि कोई भी व्यक्ति सिर्फ इस आधार पर तलाक नहीं मांग सकता कि उसकी पत्नी में दिलचस्पी खत्म हो गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, अनुबंध नहीं, जिसे किसी भी जीवनसाथी की मर्जी से खत्म किया जा सके। हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13(1ए) के तहत पति की तलाक की अपील खारिज करते हुए न्यायमूर्ति डीके सिंह और न्यायमूर्ति टीएम नदफ की खंडपीठ ने कहा कि हिंदू कानून के तहत विवाह जीवन भर का बंधन होता है।

मध्यप्रदेश में मानसून फिर एक्टिव 3 सप्ताह बाद बारिश का दौर शुरू

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दो दिनों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। पुंछ और राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सात लोग अब भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव अभियान प्रभावित हुआ।भारी बारिश के बाद असम के गुवाहाटी में लैंडस्लाइड हुई। इसके बाद नेशनल हाईवे-715 का एक हिस्सा पानी में डूब गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य के 12 जिलों में 1.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर

अमरनाथ यात्रा तीसरे दिन भी स्थगित रही।

भोपाल-सीहोर में रातभर से बारिश: मध्य प्रदेश में करीब दो से तीन सप्ताह के अंतराल के बाद मंगलवार तड़के कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हुआ। सीहोर, रायसेन, इटारसी, अकोदिया और श्योपुर समेत कई इलाकों में रात 1 से 3 बजे के बीच शुरू हुई बारिश सुबह तक जारी रही। मध्य प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद मानसून ने फिर रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है।

पश्चिम एशिया में बढ़ा राजनीतिक तनाव, शेयर बाजार में आई सुस्ती

मुंबई ॥ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों की शुरुआत फ्लैट रही है। आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी में कोई बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिला। वैश्विक संकेतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण विशेषज्ञ बाजार के सीमित दायरे में रहने की उम्मीद जता रहे हैं। कॉरपोरेट नतीजों के सीजन के बीच चुनिंदा शेयरों में तेज एक्शन देखने को मिल सकता है।तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 58.89 अंक गिरकर 77,649.63 पर आ गया। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 22.45 अंक फिसलकर 24,216.05 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, सन फार्मा और मारुति जैसे शेयर नुकसान में रहे। एचडीएफसी बैंक लगातार दूसरे दिन गिरा, क्योंकि ऋणदाता की तिमाही आय मार्जिन के मोर्चे पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। वहीं, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक जैसे शेयर लाभ में रहे।

दवा मूल्य नियंत्रण ॥ फेफड़ों की बीमारी की नई दवाई के दाम तय, निमोनिया की नई वैक्सीन को लेकर लिया फैसला

एंटी-रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन इंजेक्शन की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

देश में रेबीज के गंभीर मरीजों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले एंटी-रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन इंजेक्शन की कीमत करीब साढ़े सात रुपये बढ़ा दी गई है। जबकि, फेफड़ों की गंभीर बीमारी क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज यानी सीओपीडी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली नई ट्रिपल-थेरेपी दवा की अलग खुदरा कीमत तय की गई है। अस्पतालों में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली चार तरह की ड्रिप (आईवी फ्लूड्स) की कीमतों को भी मंजूरी दी गई है।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कुल छह दवा फॉर्मूलेशन से जुड़े अहम मूल्य संबंधी फैसलों पर मुहर लगा दी है, जबकि बच्चों को निमोनिया से बचाने वाली नई वैक्सीन न्यूबेवैक्स-14 न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट को पांच साल के लिए दवा मूल्य नियंत्रण (डीपीसीओ) से छूट देने का निर्णय लिया है। एनपीपीए ने एंटी-रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन 300 आईयू/एमएल की संशोधित सीलिंग प्राइस 112.19 रुपये प्रति मिलीलीटर से बढ़ाकर 119.48 रुपये प्रति मिलीलीटर कर दी है।

यह फैसला दवा की कीमत को लेकर दाखिल समीक्षा याचिका और कंपनियों से प्राप्त नए मूल्य आंकड़ों के आधार पर लिया गया। इस इंजेक्शन का इस्तेमाल कुत्ता, बंदर या अन्य संदिग्ध जानवर के काटने के बाद गंभीर मामलों में एंटी-रेबीज वैक्सीन के साथ किया जाता है, ताकि संक्रमण का खतरा कम किया जा सके।

चार तरह की ड्रिप की कीमतों को मंजूरी

बैठक में डेक्सट्रोज 5 प्रतिशत इंजेक्शन की कीमत 97.40 रुपये, सोडियम क्लोराइड (नॉर्मल सलाइन) की कीमत 100.87 रुपये, डेक्सट्रोज व सोडियम क्लोराइड की कीमत 102.34 रुपये और कंपाउंड सोडियम लैक्टेट (रिंगर लैक्टेट) की कीमत 116.95 रुपये तय की गई है।

सीओपीडी मरीजों को नई ट्रिपल-थेरेपी दवा

एनपीपीए ने ग्लाइकोपाइरोनियम, फॉर्मोटेरोल, बुडेसोनाइड के संयोजन वाली नेबुलाइजेशन दवा के लिए 56.35 रुपये प्रति मिलीलीटर की अलग खुदरा कीमत तय की है। यह दवा विशेष रूप से सीओपीडी के मरीजों के लिए विकसित की गई है।

अजीत डोभाल को पुणे में मिलेगा लोकमान्य तिलक पुरस्कार

पुणे। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक पुरस्कार के लिए चुना गया है। तिलक स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ रोहित तिलक ने यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अजित डोभाल को इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस और दोनों उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व सुनेत्रा पवार के भी समारोह में शामिल होने की संभावना है। समारोह पुणे के गुलटेकड़ी क्षेत्र स्थित महाराष्ट्रियन मंडल मैदान में आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस मुख्यालय में की वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा

देश में सर्वश्रेष्ठ बने मध्यप्रदेश पुलिस : मोहन

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में 25 हजार पदोन्नतियों के लिए दी बधाई
- नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी कार्य हो
- नशामुक्ति अभियान के लिए निरंतर कार्य हो
- अन्य प्रांतों की सीमाओं के निकट नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन को रोकने के निर्देश
- आगामी त्योहारों पर बनी रहे बेहतर कानून व्यवस्था

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हाल ही में राज्य सरकार के पदोन्नति अभियान में पुलिस में सर्वाधिक पदोन्नतियां हुई हैं। इसलिए कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए रखने, अपराधों पर सख्त नियंत्रण और अधिक परिणाम लाने का कार्य किया जाए। मध्यप्रदेश पुलिस देश में सर्वश्रेष्ठ पुलिस मानी जाए, इसके लिए प्रयासों में कमी नहीं रखना है। नागरिकों में पुलिस के प्रति भरोसा है, इसे कायम रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस में विभिन्न स्तरों के लगभग 25 हजार पदों पर की गई पदोन्नति की कार्यवाही के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा लागू नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी कार्य हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राजधानी से लेकर जिलों तक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पुलिस बल आने वाले त्योहारों और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की आवश्यक तैयारी करें। नागरिकों को बेहतर कानून

व्यवस्था का लाभ मिले। पुलिस अमला त्योहारों के अवसर पर मुस्तैद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद के खात्मे के लिए जिस दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए उपलब्धि प्राप्त की गई, उसमें मध्यप्रदेश के नक्सल क्षेत्र को भी सामान्य बनाने में सफलता मिली है। नक्सलवाद के खत्म होने के पश्चात विकास कार्यों की गति बढ़ानी है और ऐसे इलाकों में पुलिस अमला भी सकारात्मक कार्यों से जुड़कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नशामुक्ति अभियान का निरंतर क्रियान्वयन होता रहे। हाल ही में अभियान के अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी स्लोगन को लोकप्रियता मिली है और नागरिकों ने नशामुक्ति की शपथ ली है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्धारित नशामुक्ति अभियान के लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जाए। नक्सलवाद से मुक्ति की तरह नशा मुक्ति के लिए तय समय-सीमा के पहले ही मध्यप्रदेश अच्छा कार्य करके दिखाए। इस क्रम में पुलिस विभाग, उच्च शिक्षा विभाग से समन्वय कर शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता बढ़ाने में सहयोगी बनें। श्रेष्ठ कार्य के लिए नशामुक्ति अभियान में योगदान देने वालों को पुरस्कृत भी करें। अन्य राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन पर नियंत्रण किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्योगों का विस्तार हो रहा है, इस नाते आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी जरूरी हो गई है। विभिन्न संस्थानों और उद्योग क्षेत्र के लिए एसआईएसएफ से लाइसेंसधारी सुरक्षा स्टाफ प्रदान करवाने का कार्य हो। भविष्य की दृष्टि से विकास के क्षेत्रों और सामाजिक स्तर पर उत्पन्न होने वाली चुनौतियों की भी तैयारी रखें। वरिष्ठ अधिकारी हर समस्या के समाधान के प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस के लिए आवश्यक पदों की स्वीकृति दी गई है। राज्य शासन प्रदेश में नागरिकों के लिए शांति व्यवस्था और सदभाव के वातावरण को बनाए रखने के लिए पुलिस बल में पर्याप्त वृद्धि के निरंतर प्रयास कर रहा है। इस सिलसिले में लगभग 25 हजार पदोन्नतियां हाल ही में विशेष अभियान के अंतर्गत विभिन्न पदों पर की गई हैं। आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक और निरीक्षक के पदों पर बरसों से पदोन्नतियां नहीं हुई थीं। अन्य विभागों के साथ पुलिस विभाग में पदोन्नतियों का लाभ आमजन को बेहतर सेवाओं के रूप में मिलेगा। आगे भी पद रिक्त होने की स्थिति में डीपीसी कर प्रक्रिया पूर्ण की जाए। इसके लिए कैलेंडर तैयार किया जाए। पद पूर्ति के लिए बैकलॉग समाप्त किया जाए। स्वीकृत पद भरने में विलंब नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी तरह पुलिस में प्रत्येक स्तर पर रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य बिना विलंब किया जाए। प्रदेश की तीन विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, सहरिया, भारिया की नियुक्तियों पर ध्यान दें। इन जनजातियों के रहवास के छह जिलों में योग्य युवाओं को पुलिस सहित विभिन्न सेवाओं में रुचि के अनुरूप भर्ती पर भी विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस पर प्रत्येक जिले का अपना बैंड ग्रुप तैयार हो जाए, यह सुनिश्चित करें। अधिकांश जिलों में पदों की पूर्ति की जा चुकी है। शेष ?जिलों में यह कार्य पूर्ण किया जाए। बैठक में पुलिस हाऊसिंग बोर्ड के कार्यों, वाहनों की आवश्यकता, पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड, सीन ऑफ क्राइम पर जाने के लिए एफएसएल की तरह व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

आईएएस प्रतिभा पाल की धाक, कर्मचारी नाम सुन आते हैं ऑन टाइम दफ्तर

सच संवाददाता ॥ सागर

आमतौर पर सरकारी दफ्तरों में कामकाज का माहौल ऐसा रहता है कि ना तो कर्मचारी समय पर दफ्तर पहुंचते है और ना ही कामकाज समय पर निपटाते हैं। लेकिन कोई तेजतर्रार अधिकारी आ जाए, तो ऐसे लापरवाह और लेटलतीफ कर्मचारियों की मानो शामत आ जाती है। ऐसा ही कुछ नजारा आजकल सागर जिले के दफ्तरों में देखने मिल रहा है।दरअसल, सागर जिला कलेक्टर के तौर पर जबसे आईएएस प्रतिभा पाल की पदस्थापना हुई है, तब से यहां के सरकारी दफ्तरों के कर्मचारी चाक चौबंद रहते हैं कि कब कलेक्टर मैडम आ जाए और क्लास ले लें। कुछ ही दिनों में उन्होंने जिले के कई दफ्तरों में औचक निरीक्षण करके ना सिर्फ गैर हाजिर कर्मचारियों को दंड दिया। बल्कि काम में लापरवाह कर्मचारियों को तो वेतन काटने और संस्पेंड करने जैसी सजा दी है। इसका असर ये हो रहा है कि अब सरकारी दफ्तरों में पहुंचने वाले आमजनों को समय पर कर्मचारी दफ्तर में मिलते हैं और हर काम समयसीमा से होता है।

यूपी के बरेली के एमजेपी रोहिलखंड यूनिवर्सटी से आर्ट्स में ग्रेजुएशन और इतिहास में पीजी करने वाली प्रतिभा पाल का जन्म 15 अप्रैल 1988 को हुआ। पढ़ाई में हमेशा प्रतिभावान रही प्रतिभा पाल 2012 बैच की आईएएस अफसर हैं। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने सिविल सर्विसेज में जाने का मन बना लिया और 2012 में उनका सपना पूरा भी हुआ। जब यूपीएससी में उनका आईएएस के तौर पर चयन हुआ। उनकी पहचान सख्त कार्यशैली और संवेदनशील अफसर के तौर पर है। जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल की बात करें, तो सागर में कलेक्टर के रूप में उन्होंने 14 अप्रैल 2026 को पदभार ग्रहण किया था। महज तीन महीने के भीतर उनकी कार्यशैली की, जहां सागर की जनता तारीफ करती नजर आती है। तो यहां के कर्मचारी उनकी सख्ती और कामकाज में समयबद्धता को लेकर सजग और सतर्क नजर आते हैं। इन तीन महीनों में उन्होंने जिले में प्रशासनिक कसावट पर जोर दिया है, जहां वो हर कामकाज का मौके पर पहुंचकर जायता लेती है।

वहीं, दूसरी तरफ कभी भी किसी भी सरकारी दफ्तर में अचानक पहुंच जाती है। उनके पहुंचते ही गैरहाजिर या समय पर ना पहुंचने वाले कर्मचारियों की मानो शामत आ जाती है। इतना ही नहीं, वो कब कौन सा रिकार्ड मांग ले और कब कौन सी फाइल देखने लगे। ऐसे में समय पर काम ना करने वाले कर्मचारियों को सख्त सजा मिलती है।

सागर जिला मुख्यालय के दफ्तरों का तो कुछ दिनों में ये आलम हो गया है कि हर कर्मचारी अधिकारी समय पर दफ्तर पहुंच रहा है और अपने कामकाज को समय पर निपटा रहा है। पिछले कुछ दिनों में उन्होंने सीएमएचओ, डीईओ दफ्तर, जिला पंचायत और यहां तक एक दिन तो अपने दफ्तर की सभी शाखाओं का निरीक्षण कर डाला है। 19 जून को सुबह-सुबह किसी को अंदाजा नहीं था कि, कलेक्टर मेडम अचानक सीएमएचओ कार्यालय पहुंच जाएगी। दफ्तर शुरू होने के बाद जब कलेक्टर प्रतिभा पाल अचानक सीएमएचओ कार्यालय पहुंची, तो हड़कंप मच गया। दफ्तर के 42 में से 21 कर्मचारी गैर हाजिर थे। उन्होंने तत्काल सीएमएचओ को सभी गैरहाजिर कर्मचारियों को नोटिस देने और 3 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रतिभा पाल 15 जुलाई को अचानक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण पहुंच गयी। जहां उन्होंने शासकीय कामकाज में शिथिलता बरतने पर तीन को नोटिस, पाठ्यपुस्तक वितरण में गंभीर ढिलाई पर प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस और शिक्षकों के लंबित स्वत्वों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रतिभा पाल की बात करें, तो सागर में पद स्थापना के पहले उन्होंने कई अहम पदों पर जिम्मेदारी निभाई है। सागर के पहले वो रीवा में कलेक्टर थी। इसके पहले नगर निगम आयुक्त इंदौर रही और इंदौर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर वन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

पीएम श्री स्कूल का निरीक्षण

23 जून को कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अचानक सीहोरा स्थित पीएमश्री विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। शिक्षकों के अटैचमेंट पर नाराजगी जतायी और व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। वहीं बच्चों के साथ चर्चा में बताया कि हर प्रतियोगी परीक्षा की सफलता की नींव 6 वीं से 12 वीं तक की किताबें होती है। 9 जुलाई को कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अपने ही कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। लापरवाही पर सहायक ग्रेड-3 निलंबित, रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए एसओपी और रोस्टर लागू करने के निर्देश दिए। नकल और रिकार्ड शाखा में पेंडेंसी पर नाराजगी जतायी और लोकसेवा ऑपरेटर को रोजाना हाजिरी देने और लंबित मामलों का विवरण दर्ज करने हिदायत दी। इसी दिन कलेक्टर अचानक जिला पंचायत कार्यालय पहुंच गयी, जहां उन्होंने सभी शाखाओं के कामकाज गहन समीक्षा की।

जैतपुर में रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई

210 घन मीटर अवैध भंडारण नष्ट, बिना नंबर का हाइवा मिला

शहडोल । कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक शहडोल के निर्देश पर जैतपुर क्षेत्र में खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध रेत के भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर करीब 210 घन मीटर अवैध रेत का भंडारण चिन्हित कर जेसीबी मशीन से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान एक संदिग्ध हाइवा भी मिला, जिसके मालिक की तलाश की जा रही है।

संयुक्त टीम सबसे पहले ग्राम गलहता के डोंगरी टोला पहुंची, जहां साबीर खान के घर के पास करीब 30 घन मीटर रेत का अवैध भंडारण मिला। टीम ने मौके पर जेसीबी से रेत का विनष्टीकरण कराया। वहीं पास में एक हाइवा कीचड़ में फंसा मिला, जिस पर कोई पंजीयन नंबर अंकित नहीं था। वाहन खराब हालत में मिला और चालक भी मौके से गायब था। प्रशासन ने वाहन मालिक की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहचान होने पर उसके खिलाफ अलग से प्रकरण दर्ज किया जाएगा। इसके बाद ग्राम कामता स्थित शासकीय महाविद्यालय के पास 50 घन मीटर, झिरिया टोला के पास शासकीय भूमि पर 100 घन मीटर तथा ग्राम कोल्हुआ में 30 घन मीटर अवैध रेत का भंडारण मिला। सभी स्थानों पर जेसीबी से रेत नष्ट कर दी गई। झिरिया टोला में मिले भंडारणकर्ता की पहचान की जा रही है।

बांधवगढ़ के हाथियों पर रखी जाएगी नजर पहनाए जाएंगे अफ्रीका वाले रेडियो कॉलर

सच संवाददाता ॥ उमरिया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष पर लगाम लगाने वन विभाग ने अब आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ से आए महज सात जंगली हाथियों को बांधवगढ़ इतना पसंद आया कि अब इनका कुनबा अब बढ़कर करीब 97 तक पहुंच गया है। लगातार बढ़ती संख्या और गांवों की ओर हाथियों की आवाजाही को देखते हुए वन प्रबंधन ने छह जंगली हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाने का निर्णय लिया है।

कॉलर लगने के बाद वन विभाग को उनकी रियल टाइम लोकेशन मिलती रहेगी,जिससे गांवों में समय रहते अलर्ट जारी कर संभावित हादसों को टाला जा सकेगा। हालांकि, इस योजना के अमल में अभी कुछ समय लग सकता है। जिन आधा दर्जन जंगली हाथियों को रेडियो कॉलर पहनाया जाना है, उनके लिए विशेष

कॉलर आईडी दक्षिण अफ्रीका से मंगाए जाने की संभावना है। ऐसे में फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि कॉलरिंग की प्रक्रिया कब तक शुरू हो पाएगी।हाल ही में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आयोजित कार्यशाला में इस महत्वाकांक्षी योजना पर सहमति बनी। वर्तमान में हाथियों के कई झुंड बांधवगढ़ और आसपास के वन क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं। कई बार ये खेतों और गांवों तक पहुंच जाते हैं,जिससे फसलों को नुकसान और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं सामने आती रही हैं। रेडियो कॉलर के माध्यम से वन अमला हाथियों की हर गतिविधि पर लगातार नजर रख सकेगा। जैसे ही कोई झुंड आबादी की ओर बढ़ेगा, संबंधित गांवों को पहले ही सतर्क कर दिया जाएगा। इससे ग्रामीणों की सुरक्षा बढ़ेगी और वन विभाग भी समय रहते प्रभावी कार्रवाई कर सकेगा। दो दिवसीय प्रवास पर बांधवगढ़ पहुंचीं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक शमिता राजौरा ने कहा, मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलित सह-अस्तित्व हमारी प्राथमिकता है। रेडियो कॉलरिंग से हाथियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी, जिससे संघर्ष की घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही उनके आवागमन, व्यवहार और प्राकृतिक गलियारों का वैज्ञानिक अध्ययन भी किया जा सकेगा। यह तकनीक वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय लोगों की सुरक्षा,दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।वन अधिकारियों का मानना है कि यह पहल केवल निगरानी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य में हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष के स्थायी समाधान की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो सकती है। यदि यह योजना सफल रही, तो बांधवगढ़ देश के उन प्रमुख टाइगर रिजर्व में शामिल होगा, जहां आधुनिक तकनीक के जरिए हाथियों और इंसानों के बीच टकराव कम करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

छिंदवाड़ा में 44 लाख का गेहूं घोटाला, कागजों में खरीदी दर्ज, गोदामों से अनाज गायब

सच संवाददाता ॥ छिंदवाड़ा

समर्थन मूल्य पर खरीदा गया करीब 1800 क्विंटल गेहूं गोदामों तक नहीं पहुंचा। ये गेहूं रास्ते में पार कर दिया गया या फिर फर्जी तरीके से खरीददारी हुई, मामले की जांच में टीम जुटी है। कागजों में ये गेहूं दर्ज है लेकिन गोदामों में नहीं मिला। करीब 44 लाख रुपये का घोटाला हुआ है।

गेहूं उपार्जन के दौरान समितियों द्वारा की गई खरीदी और परिवहन के दौरान 39 समितियों से 1 हजार 836 क्विंटल शॉर्ट मिलने का खुलासा हुआ है। इसकी कीमत 44 लाख 52 हजार

रुपए आंकी गई है। नागरिक आपूर्ति निगम ने संबंधित समितियों व परिवहनकर्ता को नोटिस जारी कर वसूली की प्रक्रिया शुरू की है। साल 2025-26 में गेहूं उपार्जन के लिए जिले में 84 खरीदी केंद्र बनाए गए थे। सरकार ने 2425 रुपए गेहूं का समर्थन मूल्य निर्धारित किया था। 29 हजार 585 किसानों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 16 हजार 306 किसानों ने 13 लाख 25 हजार 173 क्विंटल गेहूं उपार्जन केंद्रों में बेचा था। जिन खरीदी केंद्रों पर गेहूं कम पाया गया, उनमें चांद, कुंडालीकला, समसवाड़ा, कारीडोंगरी, छुई, कपुर्दा, गोपालपुर, अमरवाड़ा, मेघदौन, घोघरी, गांगीवाड़ा, परसगांव, चावलपानी, लिखड़ी-खटकर, पंचगांव, रामगढ़, छिंदीकामथ, मानकादेही खुर्द, पलटवाड़ा, पाधरी, सेजा, कुंडा, बसुरियाकला, देलाखारी, देवरी, पगारा, झुर्रे, बटकाखापा, मोरडोंगरी, खमारपानी, चौरई, कपरवाड़ी, सारोठ, साजपानी, जुन्नारदेव, तामिया, मारई, घानाउमरी, गोरेघाट समिति हैं। सहकारिता विभाग गेहूं खरीदी करने के बाद नागरिक आपूर्ति निगम को सौंपता है।

रतलाम के सरकारी अस्पताल में मरीजों को नहीं मिल रहा बेड, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम बहुत धीमा

सच संवाददाता ॥ रतलाम

रतलाम में रिडेंसिफिकेशन योजना के अंतर्गत जिला अस्पताल की नई बिल्डिंग का निर्माण बेहद धीमा चल रहा है। 3 साल में इस बिल्डिंग का प्रथम तल ही बनकर तैयार हो सका है, जिसकी वजह से जिला अस्पताल में मरीजों को बेड की कमी पड़ रही है। निर्माण की शुरुआत में जिला अस्पताल के पिछले हिस्से की पुरानी बिल्डिंग और वार्ड को गिरा दिया गया। इसके बाद 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी जिला अस्पताल में बनने वाले 300 बेड के अस्पताल की बिल्डिंग का कार्य कछुआ चाल से ही चल रहा है।दरअसल, रिडेंसिफिकेशन योजना के अंतर्गत शासन द्वारा गोल्ड पार्क के लिए एक निजी कंपनी को दी गई जमीन के बदले जिला अस्पताल में 300 बेड की अस्पताल बिल्डिंग, 1000 की क्षमता वाले ऑडिटोरियम और कर्मचारी आवास निर्माण कार्य किए जाने थे। लेकिन इस प्रोजेक्ट की कछुआ चाल के चलते जिला अस्पताल में नई बिल्डिंग का इंतजार लंबा होता जा रहा है। खासकर बारिश के मौसम में जब मरीजों की संख्या बढ़ रही है तो ऐसे में जिला अस्पताल में मरीजों के लिए बेड ही उपलब्ध नहीं है।

महाकाल की राजसी सवारी में दिखेगी सिंहस्थ की झलक अलग-अलग थीम पर निकलेंगी सावन में सवारी

सच संवाददाता ॥ उज्जैन

सावन भादो में निकलने वाली महाकाल की सवारी को और भव्य बनाने की विशेष तैयारियां जारी हैं। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी हर एक सवारी की थीम निर्धारित की गई है, जिससे हर सवारी में एक अलग ही झलक देखने को मिलेगी। थीम के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक, सांस्कृतिक सामाजिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेस भी दिए जाएंगे। महाकाल प्रबन्ध समिति ने 2026 की सवारियों की थीम का निर्धारण कर लिया है। साथ ही इन के माध्यम से जन जागरुकता भी

की जाएगी। इस बार की सवारी में महाकाल आर्मी, पुलिस, होमगार्ड, विद्यालय के बच्चों के बैंड आकर्षण का केंद्र रहेंगे। साथ ही अंतिम राजसी सवारी में ड्रोन से पुष्प वर्षा की जाएगी। महाकाल प्रबन्ध समिति के प्रशासक व अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने बताया,बाबा महाकाल की सवारी को भव्य बनाने के लिए थीमों का निर्धारण कर लिया है। सवारी के माध्यम से जन जागरुकता का भी संदेश दिया जाएगा। साथ ही बड़ी संख्या में भजन मंडलिया भी शामिल होंगी। सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने बताया, %% प्रत्येक सवारी में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश व मध्य प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र जनजाति नृत्य दल भी अपनी प्रस्तुति देंगे, जो श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहेगी। साथ ही अंतिम राजसी सवारी में ड्रोन से पुष्प वर्षा की जाएगी जो आकर्षक का केंद्र रहेगी।सवारी के साथ इस बार हर साल की तरह एलईडी रथ भी चलाए जाएंगे, जिससे सवारी मार्ग पर खड़े श्रदालु बाबा महाकाल के दर्शन भी कर सकेंगे व सवारी कहा पहुंची इसका अपडेट भी लाइव पता कर सकेंगे।

2026 की सवारी की ये होगी थीम

- 3 अगस्त प्रथम सवारी : वैदिक उद्बोधन।
- 10 अगस्त द्वितीय सवारी : विभिन्न लोक नृत्य।
- 17 अगस्त तीसरी सवारी : पुलिस, आर्मी, होमगार्ड, स्कूल व निजी बैंड की प्रस्तुति।
- 24 अगस्त चतुर्थ सवारी : पर्यावरण संरक्षण।
- 31 अगस्त पंचम सवारी : 84 महादेव की झांकी।
- 7 सितम्बर राजसी सवारी : सिंहस्थ महापर्व 2028 की झांकी और ड्रोन से पुष्प वर्षा।

आयुष्मान भारत योजना में मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान

बायोमेट्रिक प्री-ऑथराइजेशन में देश के बड़े राज्यों में बनाया शीर्ष स्थान

सच संवाददाता || भोपाल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। प्रदेश को बेस्ट परफॉर्मिंग लार्ज स्टेट-हाइयेस्ट प्री-ऑथराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन श्रेणी में यह सम्मान प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रक्रिया को पारदर्शी, प्रभावी और सफलतापूर्वक लागू करने के लिए दिया गया।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक आधारित और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनहित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की टीम, जिला अधिकारियों, चिकित्सालयों तथा योजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह को यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और यूआईडीएआई (आधार) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह सम्मान आयुष्मान भारत योजना के तहत तकनीक के प्रभावी उपयोग और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

नीलबड़ में समाज भवन बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

सच संवाददाता || भोपाल

महानगर भोजपुरी समाज भोपाल द्वारा रविवार को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, न्यू टीटी नगर कॉलोनी, नीलबड़ में चाय पर सार्थक परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के अध्यक्ष ददन सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संगठन के विस्तार, समाज के विकास और विभिन्न जनहित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य सदस्यों ने अपनी मातृभाषा भोजपुरी में विचार व्यक्त किए। संगठन के महामंत्री राजेश सिंह ने समाज की आगामी रणनीति पर प्रकाश डालते हुए संगठन का विस्तार पूरे मध्यप्रदेश में करने तथा भोपाल से वाराणसी के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू कराने की मांग रखी।

बैठक में संरक्षक महेश सिंह ने भोजपुरी कविता के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत की। वहीं संरक्षक राधाकृष्ण यादव, सूर्यनाथ सिंह, वीरेंद्र सिंह और अवधेश सिंह ने भोपाल से छपरा तक नियमित ट्रेन सेवा शुरू कराने के लिए शासन को ज्ञापन सौंपने का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित समाजजनों ने समर्थन किया। इस दौरान शैलेंद्र सिंह ने महानगर भोजपुरी समाज की नियमित गतिविधियों के लिए नीलबड़ में समाज का अपना भवन बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। संगठन की कोषाध्यक्ष रमेश यादव ने संस्था के पंजीकरण तथा आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। अशोक सिंह, हरिलाल राम, डॉ. नवीन मिश्रा, अमरनाथ यादव, प्रेम सागर तिवारी और कमलेश सिंह ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक पहल करते हुए उन्हें शीघ्र अमल में लाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष ददन सिंह यादव ने समाजहित में पारित सभी प्रस्तावों पर विधिसम्मत कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया और उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बैठक में संरक्षक परमात्मानंद सिंह, उपाध्यक्ष रमेश सिंह, कृपाशंकर यादव, ओमप्रकाश सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, रामभवन शर्मा, महेश श्रीवास्तव सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

उपभोक्ता शिकायतों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

पिज्जा हट और आनंदम रेस्टोरेंट से लिए खाद्य नमूने

सच संवाददाता || भोपाल

उपभोक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने राजधानी के दो प्रमुख खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए एकत्र किए हैं। कलेक्टर भोपाल के निर्देशन और अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पहले मामले में सीएम हेल्पलाइन शिकायत क्रमांक 38770596 के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पिज्जा हट (द सफायर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड), होशंगाबाद रोड, बाग सेवनिया, भोपाल का निरीक्षण किया। शिकायत में बताया गया था कि स्विगी के माध्यम से मंगाए गए पास्ता का सेवन करने के बाद एक बच्चे के होंठ और गाल पर सूजन आ गई।

शिकायत की जांच के दौरान अधिकारियों ने प्रतिष्ठान से पास्ता के साथ-साथ उसे तैयार करने में उपयोग होने वाले व्हाइट बेस, चीज और चीज स्प्रेड के नमूने लिए। सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। साथ ही प्रतिष्ठान को नोटिस जारी कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं, दूसरे मामले में आनंदम रेस्टोरेंट, लालघाटी चौराहा, भोपाल के खिलाफ लस्सी में कीड़ा मिलने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की और वहां से लस्सी, दही, सोया चाप, पनीर और बेसन सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। दोनों प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई संयुक्त दल द्वारा की गई, जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक, पंकज श्रीवास्तव, अरुणेश कुमार पटेल और श्रीमती साधना सक्सेना शामिल रहे। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता या सुरक्षा से जुड़ी किसी भी शिकायत की जानकारी तत्काल सीएम हेल्पलाइन, एफएसएसएआई फूड सेफ्टी कनेक्ट पोर्टल या स्थानीय खाद्य सुरक्षा कार्यालय को दें, ताकि समय पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

केके मिश्रा ने उच्चस्तरीय जांच की मांग

आईटी खरीदी और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप

सच संवाददाता || भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सलाहकार अध्यक्ष केके मिश्रा ने आदिम जाति कल्याण विभाग सहित प्रदेश के विभिन्न विभागों में आईटी उपकरणों की खरीद और आईसीटी लैब परियोजनाओं के टेंडरों में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है।

मिश्रा ने आरोप लगाया कि एक निजी कंपनी पेगासस को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से टेंडर की शर्तें इस प्रकार तैयार की गईं कि अन्य कंपनियां प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाएं। उनका दावा है कि केवल सात माह के भीतर संबंधित कंपनी को आदिम जाति कल्याण विभाग में करीब 350 करोड़ रुपये के कार्य आवंटित किए गए। उन्होंने मांग की कि इस मामले में विभागीय मंत्री, प्रमुख सचिव, आयुक्त तथा पेगासस कंपनी से जुड़े बताए जा रहे कुछ व्यक्तियों और मंत्री के स्टाफ से जुड़े लोगों की भूमिका की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए, ताकि टेंडर प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की मिलीभगत या पक्षपात की स्थिति स्पष्ट हो सके।

केके मिश्रा ने आरोप लगाया कि केवल आदिम जाति कल्याण विभाग ही नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा गृह विभाग में भी संबंधित कंपनी की भूमिका और प्रभाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि आईसीटी लैब के टेंडरों में ऐसी तकनीकी शर्तें जोड़ी गईं, जिनसे प्रतिस्पर्धा सीमित हो गई। उन्होंने दावा किया कि टेंडर में उबंटू ऑपरेटिंग सिस्टम को अनिवार्य किया गया, जबकि सी-डैक द्वारा विकसित स्वदेशी मालिक (भारत ऑपरेटिंग सिस्टम सॉल्यूशंस) को शामिल नहीं किया गया। इससे कई योग्य और किफायती कंपनियां प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गईं। मिश्रा ने यह भी आरोप लगाया कि जिन इंटरएक्टिव पैनलों की बाजार कीमत लगभग 1.75 लाख रुपये थी, उन्हें करीब 4 लाख रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदा गया। इसके अलावा मिलिट्री ग्रेड ऑपरेशन्स जैसी तकनीकी शर्तें जोड़ी गईं, जबकि सामान्य शैक्षणिक संस्थानों में उनकी आवश्यकता पर सवाल उठते हैं।

सकल कोली कोरी समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया सामाजिक एकता और जागरूकता पर दिया जोर

सच संवाददाता || भोपाल

सकल कोली कोरी समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बामोरिया के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के अजमेर, पुष्कर, केकड़ी और सरवाड़ का दो दिवसीय दौरा किया। दौरे का उद्देश्य कोरी-कोली समाज की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का जायजा लेना, समाज की समस्याओं को समझना तथा समाज में एकता और जागरूकता का संदेश देना रहा। इस दौरान राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष कौस्तुभ सिंह भाटी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं बैंकिंग विभाग के ऑल इंडिया प्रभारी मदन सिंह गडोरिया तथा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोली (भीलवाड़ा) भी साथ रहे। विभिन्न स्थानों पर आयोजित बैठकों में समाज के लोगों ने कुछ संगठनों द्वारा समाज को भ्रमित किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और समाज के नाम पर निजी स्वार्थ एवं राजनीति करने वाले नेताओं का विरोध करने की बात कही।

बैठकों में उपस्थित समाजजनों ने मांग की कि कांग्रेस, भाजपा सहित सभी प्रमुख राजनीतिक दल ऐसे नेताओं को चुनावी टिकट देने से बचें, जो समाज के हितों के बजाय व्यक्तिगत स्वार्थ को प्राथमिकता देते हैं। वक्ताओं ने समाज को संगठित रखने और गैर-राजनीतिक सामाजिक संगठन सकल कोली कोरी समाज संघ के साथ एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। अजमेर पहुंचने पर सर्किट हाउस में स्थानीय पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बामोरिया एवं अन्य पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया। इसके अलावा अजमेर, पुष्कर, केकड़ी और सरवाड़ सहित विभिन्न स्थानों पर भी संगठन के पदाधिकारियों और समाजबंधुओं ने उनका अभिनंदन किया।

दौरे में राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी मूलचंद महावर, भंवर लाल कोली, खेमचंद कोली, सुरेंद्र कुमार कोली, सोहन लाल कोली, उमेश कुमार कोली, युवा पदाधिकारी कालूराम कोली, सत्यनारायण कोली, हेमनंदनी कोली तथा जिला युवा पदाधिकारी दीपेश राजोरिया, कौशल सोकरीवाल, दिगंबर सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मंडी बोर्ड के 1500 अधिकारी-कर्मचारियों को उच्च पद प्रभार पर जताया आभार

सच संवाददाता || भोपाल

मध्य प्रदेश राज्य कृषि मंडी बोर्ड भोपाल द्वारा प्रदेश की विभिन्न मंडियों में कार्यरत करीब 1500 अधिकारी-कर्मचारियों को उच्च पद प्रभार दिए जाने पर संयुक्त संघर्ष मोर्चा मंडी बोर्ड ने प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है। मोर्चा ने मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम, अपर संचालक अनुराग सक्सेना, झानिया मैडम, सहायक संचालक योगेश नागले और रश्मि कश्यप के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित ने बताया कि मोर्चा के संयोजक बीबी फौजदार, संतोष सिंह दीक्षित, अंगिरा प्रसाद पांडे, नैन सिंह सोलंकी, रामवीर किरार और वीरेंद्र नरवरिया के नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों से मंडी बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों को उच्च पद प्रभार एवं पदोन्नति दिए जाने की मांग की जा रही थी।

उन्होंने बताया कि मोर्चा के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश की विभिन्न मंडियों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, चपरासी, चौकीदार, लिपिक, लेखपाल और इंजीनियर सहित लगभग 1500 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भी समय-समय पर कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ देने की बात कही गई थी। सरकार के प्रयासों से प्रदेश के विभिन्न विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ी है, जिससे कर्मचारियों को उनके अधिकार और बेहतर सेवा अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

इस अवसर पर मंडी कर्मचारी महासंघ के योगेश यादव, पंकज मिश्रा, उमेश सकवार, संतोष महाजन और सदानंद कापसे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने मंडी बोर्ड प्रबंधन का स्वागत करते हुए प्रबंध संचालक को गुलदस्ता भेंट किया और शाल-श्रीफल से अभिनंदन किया। मंडी बोर्ड प्रबंधन ने शेष रह गए कर्मचारियों को भी नियमानुसार उच्च पद प्रभार के लिए आवेदन करने का अवसर देने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

गुरु वंदना, भजन और संस्कृत श्लोकों से गूंजे प्रदेश के 3,205 शासकीय विद्यालय

सच संवाददाता || भोपाल

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में गुरु वंदना, संस्कृत श्लोक वाचन और भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर गुंजायमान हो उठे। लोक शिक्षण संचालनालय की पहल पर आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन तथा गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत करना है। गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के तहत प्रदेशभर के विद्यालयों में विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और गुरु के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यालयों में संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

इसी क्रमें आयोजित संस्कृत श्लोक वाचन, गुरु वंदना और भजन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्कृत श्लोकों के सस्वर पाठ, गुरु वंदना और भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने विद्यालयों में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण किया। लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार, प्रदेश के 3,205 शासकीय विद्यालयों के 2,10,999 विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों में सहभागिता की। इस दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को समझा तथा अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, संस्कार और भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रगति और चुनौतियों पर मंथन

भोपाल। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के प्रभावी क्रियान्वयन, उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर मंथन के लिए भोपाल में आज से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग एवं मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यशाला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, नीति आयोग, भारत सरकार के पूर्व सदस्य प्रो. राजेश चंद्र, मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष प्रो. वीरेन्द्र कुमार मल्होत्रा, खाद्य विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी तथा मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव श्रीमन शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

गृह विभाग ने जारी किए सख्त निर्देश

निजी सुरक्षा एजेंसियों के लाइसेंस और चरित्र सत्यापन में अब नहीं होगी देरी

सच संवाददाता || भोपाल

प्रदेश में निजी सुरक्षा एजेंसियों के लाइसेंस, नवीनीकरण और चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया को तेज एवं समयबद्ध बनाने के लिए गृह विभाग ने सभी पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। गृह विभाग की सचिव कृष्णावेणी देसावतु ने बताया कि प्राइवेट सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम, 2005 के तहत नए लाइसेंस के आवेदनों का निराकरण 60 दिनों के भीतर तथा लाइसेंस नवीनीकरण के मामलों का निपटारा 30 दिनों में किया जाना अनिवार्य है। वहीं, जांच पूरी होने के बाद संबंधित प्रतिवेदन 15 दिनों के भीतर सक्षम कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि विभागीय समीक्षा में कुछ जिलों में जांच प्रतिवेदन लंबे समय से लंबित पाए गए थे। इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने और भविष्य में निर्धारित समय-सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गृह विभाग ने निजी सुरक्षा एजेंसियों के आवेदकों के चरित्र एवं कार्यालय सत्यापन की प्रक्रिया को भी अधिक सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत संबंधित एजेंसी के कार्यालय का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा, जबकि आवेदक के चरित्र संबंधी जांच सीसीटीएनएस और आईसीजेएस के माध्यम से की जाएगी।

भोपाल में नई इलेक्ट्रिक पीएम ई-बस सेवा का ट्रायल रन

सच संवाददाता || भोपाल

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को और बेहतर बनाने की दिशा में नगर निगम ने नई इलेक्ट्रिक पीएम ई-बस सेवा का ट्रायल रन किया। ट्रायल रन की शुरुआत निगम मुख्यालय से हुई, जिसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने बस में सफर कर शहर का भ्रमण किया तथा बस की सुविधाओं और संचालन व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, एमआईसी सदस्य मनोज राठौर, अन्य एमआईसी सदस्य, जोन अध्यक्ष, पार्षदगण एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रायल रन के दौरान जनप्रतिनिधियों ने शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। सफर के दौरान उन्होंने स्थानीय स्वाद का आनंद लेते हुए चने और भुट्टे का भी स्वाद चखा तथा नागरिकों से संवाद किया। नगर निगम का उद्देश्य इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से शहरवासियों को आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है। ट्रायल रन के दौरान बस के संचालन, मार्ग और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं का भी परीक्षण किया गया। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार ट्रायल सफल रहने के बाद निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर नई इलेक्ट्रिक पीएम ई-बस सेवा को आम नागरिकों के लिए शुरू किया जाएगा, जिससे शहर में प्रदूषण कम करने और सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

संपादकीय

दलबदल अर्थात जनादेश को ठेंगा

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत नाटकीय और हास्यास्पद रही। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस से बगावत करने वाले सांसदों को एनसीपीआई के प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष मौजूद थे। विपक्ष के सांसदों ने बहिर्गमन किया, मीडिया को अपने-अपने बयान दिए और करीब 15 मिनट के बाद बैठक में वापस भी चले गए। यह क्या हुआ? बहिष्कार करना था, तो पूरी सर्वदलीय बैठक को खारिज करना चाहिए था। यह बैठक भी महज औपचारिक होती है, क्योंकि सदन में कार्यवाही बिल्कुल उलट होती है। बहरहाल इस सत्र के दौरान कमोबेश लोकसभा में सांसदों की सीट का परिदृश्य पहले से बिल्कुल अलग दिखाई देगा। स्पीकर ओम बिरला ने 48 सांसदों की सीटें बदली हैं, जिनमें 22 सांसद द्रमुक के हैं। चूंकि तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस का संबंधविच्छेद हो चुका है, लिहाजा द्रमुक ने उनकी सीटें बदलने का आग्रह किया था। इन 48 सांसदों की सीटें सत्ता-पक्ष की तरफ हैं। क्या मान लिया जाए कि अब ये 48 सांसद सत्तारूढ़ एनडीए के प्रत्यक्ष या परोक्ष हिस्सा हो गए हैं? संसद के मानसून सत्र का आगाज हो चुका है, लिहाजा यह सच भी सामने आ ही जाएगा। यकीनन सत्र हंगामेदार होगा, क्योंकि मुद्दों को लेकर कई विरोधाभास हैं। बेशक राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी, पेपरलीक, परिसीमन, महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, ई-20 एथेनॉल विवाद, विदेश नीति, वोट चोरी और वांगचुक अनशन आदि बेहद संवेदनशील और राष्ट्रीय फलक के मुद्दे हैं, लेकिन दलबदल का राजनीतिक चलन सीधा लोकतंत्र, चुनाव प्रणाली और जनादेश के लिए गंभीर चुनौती है। बल्कि जनादेश को ठेंगा दिखाया जा रहा है। क्या संसद के भीतर ऐसे मुद्दे पर चर्चा होगी और कोई निश्चित नीति तय की जाएगी? हमारा अनुभव कहता है कि ऐसा कदापि नहीं होगा। हमने लोकतंत्र के अभी तक के इतिहास में न तो पढ़ा है और न ही संसदीय कवरेज के दौरान देखा है कि जिस पार्टी का अस्तित्व ही गुमनाम हो, अचानक उसके पाले में 20 लोकसभा सांसद आ जाएं! यह 'काला चमत्कार' ही हो सकता है! बिना चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, बिन उम्मीदवारी के और प्रत्यक्ष जनादेश हासिल किए बिना ही 20 सांसद! यानी औसतन 200 विधायक! बेशक यह लोकतंत्र पर कलंक है और दलबदल के जरिए राजनीतिक अस्थिरता का डरावना उदाहरण है। साफ मायने हैं कि जनादेश कुछ भी हो, यदि आप सत्ता में हैं, तो किसी भी जनादेश को तोड़-फोड़ कर सदन में अपना आंकड़ा व्यापक कर सकते हैं। स्पीकर ने तृणमूल से टूटे 20 सांसदों के एनसीपीआई में विलय को मान्यता दी है और सत्ता-पक्ष के साथ उनकी नई सीटें तय की हैं और इस नए संसदीय दल के नेता, मुख्य सचेतक भी मनोनीत किए गए हैं। क्या हम इन्हें एनसीपीआई के सांसद मानें? लोकतंत्र तो ऐसी गवाही नहीं देता, बेशक स्पीकर ने मान्यता दे दी है। स्पीकर के सामने इन बागी सांसदों को 'अयोग्य' करार देने की याचिका अब भी विचाराधीन है। स्पीकर भी तो भाजपा के निर्वाचित सांसद हैं, लिहाजा उनकी राजनीतिक निष्ठाओं की परीक्षा होती रहती है। आप उन्हें बिल्कुल 'तटस्थ' नहीं मान सकते। बहरहाल चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में ये सवालिया सांसद तृणमूल कांग्रेस के 'विजयी सांसद' हैं, जिन्हें पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अधिकृत पत्र देकर प्रत्याशी बनाया था। चुनाव में उन्हें जनादेश मिला, तो जून 2024 से अभी जुलाई, 2026 तक वे तृणमूल सांसद ही थे। कितनी भी बगावत कर लें अथवा दलबदल कर लें, लेकिन जनादेश तृणमूल प्रतिनिधि को ही दिया गया था। बेशक जनता हिसाब कर लेगी! सवाल यह है कि ऐसे लोकतांत्रिक यथार्थ को कैसे बदला जा सकता है?

सीजेपी छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

सीजेपी के संसद मार्च के दौरान बलप्रयोग हुआ, जो ऐसे आंदोलनों के मजबूत व टिकाऊ होने का सबूत माना जाता है। इसके अगुआ सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलन कमजोर नहीं हुआ। बेरोज़गारी, शिक्षा, असमानता और लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं ने इसे व्यापक समर्थन दिलाया है। दोपहर हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमज़ोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया।

कल दोपहर, जब 'कॉकरोच जनता पार्टी' आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने - जो किसी भी किस्म का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती-अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ़ उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। आज दोपहर हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमज़ोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की ज़बरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर आज। मैं 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को डराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो।

जंतर-मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। मायूसी और थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज़ था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो विद्रोह दर्शाता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोज़गार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया।

सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नज़रियों से किए बिना नहीं रह सका; क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश %नव सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ़ लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग-हितों के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन टुरेन का तर्क कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं- यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना,जिनके साथ लोग जीना चाहते हैं-यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे ;अल्बर्टो मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती है,वह यहां साफ़ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए। फिर भी, मेरे मन में जो बात सबसे ज़्यादा बनी है, उसका संबंध ढांचे के बारे में अधिक न होकर उस बिंदु पर है जो इस पहली बड़ी लामबंदी ने अपने बारे में साबित किया- और यहां बीते कुछ दिनों में हुआ दमन जाने-अनजाने, इस आंदोलन का सबसे मज़बूत सबूत बन गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना, हुजूम में भी इतना जुड़ाव, पर्याप्त सबूत है कि यह आंदोलन मात्र प्रभाव बनाने के लिए किया गया दिखावटी विरोध नहीं। इसके स्वरूप में असल शिकायतों और सच्ची प्रतिबद्धता से उपजी झलक है। न कि वह जिसकी उम्मीद सरकारें अक्सर करती हैं, कि क्या यह आंदोलन क्षणिक चिंगारी है जो जल्द बुझ जाएगी। सबसे बड़ी बात यह कि जिस सुबह इसके सबसे जाने-पहचाने चेहरे को हिरासत में लेकर ले जाया गया, तब भी समूह ने न तो कोई गलती की, न ही बिखरा, बल्कि अपनी जगह शांति और संयम के साथ बनाए रखी, जो वह परिपक्वता, दृढ़ संकल्प दर्शाती है, वे खूबियां जिन्हें अक्सर युवाओं से जोड़कर नहीं देखा जाता। इसने दर्शा दिया कि आंदोलन मुख्य नेता के बिना भी चल सकता है। आंदोलन जो शनिवार सुबह अपने सबसे प्रमुख चेहरे को खोने के बाद भी सप्ताहांत भर डटा रहा, और फिर सोमवार को संसद तक मार्च कर सका, क्योंकि इस सवाल का जवाब देने का संकल्प कर रखा था कि क्या टिके रहना किसी एक व्यक्ति पर निर्भर है। एकत्र होने की भावना इसलिए इतनी व्यापक हो पाई कि इसने नागरिकों के बहुत बड़े वर्ग की नब्ज़ को छुआ; हर कोई अपनी-अपनी चिंताओं की वजह से आया, यहां उन्हें अपनी चिंताओं हेतु साझा भाषा मिली। जाहिर है कि तमाम व्यवस्थाओं को धीरे-धीरे खोखला किया जा रहा, और शिक्षा-जो किसी गणतंत्र द्वारा अपने युवाओं से किया गया सबसे बुनियादी वादा होता है- गिरावट की सबसे बड़ी मिसाल बन गई । तंत्र चलाने वाली सरकार वही है जिसका अनशनरत छात्रों के प्रति रवैया-जैसा आज बेरहमी से साफ़ हो गया- लाठी व आंसू गैस के गोले बरसाना है।

इस भीड़ को व्यापकता देने वाला एक अंश यह भी कि जो शिकायतें अमूमन अलग-अलग रहती थीं, यहां आकर साझा दुख बन गई। सबसे फौरी हैं लोकतांत्रिक चिंताएं। नागरिकता सिद्ध करने का संकट कई तरह से महसूस किया जा रहा-कौन नागरिक है या किसका हक है, इसको लेकर अनिश्चितता हो या असहमति के लिए कम होती जगह या फिर यह भावना बनना कि आम नागरिक की आवाज़ की अहमियत घट रही है। इसके साथ अन्य सामाजिक चिंताएं भी हैं। विविधतापूर्ण समाज को बांधे रखने वाले ताने-बाने पर लगातार पड़ रहा दबाव, जानबूझकर दिया जा रहा ध्रुवीकरण को बढ़ावा और रोज़मर्रा का शिष्टाचार खत्म होते किसने महसूस नहीं किया? इन सबके पीछे वे आर्थिक दबाव हैं जिनका सबसे ज़्यादा असर युवाओं पर होता है। वे बढ़ती बेरोज़गारी, असमानता और जीवन-यापन की बढ़ती लागत जैसी कई चुनौतियों से जूझ रहे। अलग-अलग वजहों से पैदा हुई शिकायतों का यहां एक साथ आना संकेत है कि यह कोई सीमित विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक व्यापक लोकतांत्रिक चिंता है। यही वजह है कि मुझे नहीं लगता कि यह आंदोलन जल्द खत्म होने वाला है। सरकारें अक्सर मान लेती हैं कि विरोध-प्रदर्शन बस कुछ समय के लिए होने वाली अस्थाई हलचल हैं, जिन्हें गिरफ़्तारियों, थकाकर कमज़ोर करके या प्रशासनिक पाबंदियों के ज़रिए संभाला जा सकता है। सामाजिक आंदोलनों के जानकार बार-बार ऐसी सोच के ख़तरे बारे चेताते आए हैं। जब कोई आंदोलन एक साझा लोकतांत्रिक पहचान बनाने में सफल हो जाता है, तो उसमें अलग-अलग जगहों और पीढ़ियों के बीच खुद को फिर से पैदा करने की क्षमता बन जाती है। तब यह किसी एक जगह या कुछ गिने-चुने नेताओं पर निर्भर नहीं रहता, क्योंकि यह संवाद, रिश्तों और सामूहिक यादों में रच जाता है। भौतिक स्थलों पर नियंत्रण किया जा सकता है या वहां बैरिकेड लगाए जा सकते हैं, लेकिन लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को नहीं रोका जा सकता। हम यह नहीं भूलें कि दमन की हर कार्रवाई में ऐसे नागरिकों का दायरा बढ़ने की संभावना होती है जो सत्ता, न्याय और संवैधानिक नागरिकता के बारे में और मुश्किल सवाल पूछने लगेंगे। हम पहले से ही देश के विभिन्न भागों में इस किस्म के विरोध-प्रदर्शन होते देख रहे हैं। दो दिनों की अपनी उपस्थिति के दौरान वहां मेरी मुलाकात जिन युवाओं से हुई, उन्होंने मुझमें यकीन जगाया कि यदि वे समावेशिता, नैतिक साहस और लोकतांत्रिक एकजुटता की इस भावना को बनाए रखते हैं।

-मनोज कुमार झा
-लेखक राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद हैं।

आध्यात्मिक साधना एवं आत्मशुद्धि का काल:चातुर्मास की व्यावहारिकता

'चातुर्मास' यानी प्रत्येक वर्ष आने वाली चार महीने की वह अवधि, जो प्रत्येक वर्ष आती है। हिंदू वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि से आरंभ होकर कार्तिक शुक्ल एकादशी, जिसे देवउठनी या प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है, को समाप्त होती है। इस दौरान भगवान सृष्टि के पालनहार श्रीहरि विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग की शैया पर 'योगनिद्रा' (आध्यात्मिक निद्रा) में चले जाते हैं। इसीलिए इस अवधि को 'देवों का विश्राम काल' कहा जाता है। इस काल में सृष्टि के संचालन का कार्य भगवान शिव करते हैं। इस वर्ष यह पवित्र काल 25 जुलाई से आरंभ होकर 20 नवंबर तक रहेगा। इस दौरान चार महीने इस प्रकार हैं—श्रावण अथवा सावन, भाद्रपद या भादों, आश्विन यानी क्वार एवं कार्तिक।

चातुर्मास केवल चार महीनों की अवधि ही नहीं होती, बल्कि यह जीवन को पुन: नये तरीके से शुरू करने का एक विशेष अवसर भी होता है। यह समय केवल धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि वातावरण एवं मौसम के अनुरूप जीवन शैली में परिवर्तन लाकर जीवन को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष होता है। वर्षायोग के दौरान हमारे पर्यावरण, भोजन एवं जल में हानिकारक जीवाणुओं बैक्टीरिया की संख्या में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होने के कारण तरह-तरह की बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के अनुसार भी वर्षा ऋतु से जुड़े होने के कारण इस दौरान वातावरण में नमी की मात्रा काफी बढ़ जाती है। इससे हमारी पाचन शक्ति स्वभावत: कमजोर हो जाती है। साथ ही, संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में, स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस अवधि में मनुष्य को सादा, स्वच्छ और सुपाच्य भोजन तथा शुद्ध जल का सेवन करना चाहिए। तात्पर्य यह कि चातुर्मास की अवधि स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

'रज' एवं 'तम' गुणों में वृद्धि- सनातन धर्म में चातुर्मास को आध्यात्मिक साधना, आत्मशुद्धि और अनुशासित जीवन के लिए अत्यंत पवित्र काल माना गया है। हिंदू धर्म-शास्त्रों के अनुसार, चातुर्मास काल में पृथ्वी पर सब तरफ 'रज' एवं 'तम' गुणों में वृद्धि होती है, जिसके कारण मनुष्य को जीवन में अनेक प्रकार के परिवर्तनों का सामना करना पड़ता है।

सात्विकता में वृद्धि हेतु भक्ति

कला और सम्मान- इस अवधि में सात्विकता में वृद्धि लाने के उद्देश्य से हमारे धर्म-शास्त्र संयमित जीवन शैली अपनाने, इंद्रियों पर नियंत्रण रखने, ईश्वर भक्ति में लीन रहने, सात्विक भोजन करने, उपवास रखने, व्रत, ध्यान, तपश्चर्या आदि करने की सलाह देते हैं, ताकि हमारा मन और शरीर स्वस्थ एवं संतुलित बना रहे। एक तरफ, सात्विक भोजन करने, उपवास रखने एवं व्रतादि करने से हमारा पाचन-तंत्र मजबूत होता है तथा रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है वहीं दूसरी ओर, संयमित जीवन शैली अपनाने, इंद्रियों पर नियंत्रण रखने, भगवान की भक्ति में लीन रहने, ईश्वर का गुणगान, नामजप, ध्यान, तपश्चर्या आदि करने से जीवन में नयी ऊर्जा, ओज एवं उत्साह का संचार होता है।

चातुर्मास में व्रतोपवास का महत्व- चातुर्मास में व्रत-उपवास का बहुत बड़ा महत्व होता है। इस दौरान एक ही प्रकार का भोजन करने से उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति प्रतिदिन एक बार ही भोजन करता है, उसे बारह यज्ञों का पुण्यफल मिलता है। जो प्रत्येक पखवाड़े में एक दिन उपवास करता है, उसके शरीर के अनेक दोष नष्ट हो जाते हैं तथा ओज की वृद्धि होती है।

वर्जित खाद्य पदार्थ

चातुर्मास काल में भगवान श्रीहरि विष्णु को न चढ़ाये जाने वाले खाद्य पदार्थ, मसूर, लोबिया, अचार, बेर, मूली, आंवला, इमली, प्याज, लहसुन दूध, दही, शक्कर, तेल, बैंगन, पत्तेदार सब्जियां, नमकीन या मसालेदार भोजन, मिठाई, सुपारी, मांस, मदिरा आदि वर्जित माने जाते हैं। विशेष रूप से, श्रावण महीने में पत्तेदार साग-सब्जियों, भाद्रपद में दही, आश्विन में दूध, कार्तिक में प्याज, लहसुन और उड़द की दाल आदि का सेवन नहीं किया जाता।

उपयोगी खाद्य पदार्थ- चातुर्मास यानी चौमासे में चावल, हरे चने, जौ, तिल, मटर, गेहूं, समुद्री नमक, गाय का दूध, दही, घी, सौंफ, आम, नारियल, केला आदि खाद्य पदार्थों का सेवन करना वर्जित नहीं माना जाता, क्योंकि ये सभी सत्त्वगुण प्रधान खाद्य पदार्थ होते हैं।

चतुर्मास के व्रत-नियम- (1) गुड़, ताम्बूल (पान या बीड़ा), साग व शहद के त्याग से मनुष्य को पुण्य की प्राप्ति होती है ।(2) दूध-दही छोड़नेवाले मनुष्य को गोलोक की प्राप्ति होती है ।(3) पलाश के पत्तों में किया गया एक-एक बार का भोजन त्रिरात्र व्रत (तीन दिन तक का उपवास कर किया गया व्रत) व चांद्रायण व्रत (चंद्रमा की एक कला हो तब एक कौर इस प्रकार रोज एक-एक बढ़ाते हुए पूनम के दिन 15 कौर भोजन लें और फिर उसी प्रकार घटाते जायें) के समान पुण्यदायक और बड़े-बड़े पातकों का नाश करनेवाला है ।(4) पृथ्वी पर बैठकर प्राणों को 5 आहुतियाँ देकर मौनपूर्वक भोजन करने से मनुष्य के 5 पातक निश्चय ही नष्ट हो जाते हैं ।(5) पंचगव्य का पान करनेवाले को चान्द्रायण व्रत का फल मिलता है ।(6) चौमासे में भूमि पर शयन करनेवाले मनुष्य को निरोगता, धन, पुत्रादि की प्राप्ति होती है । उसे कभी कोढ़ की बीमारी नहीं होती ।

उपवास का लाभ- चतुर्मास में रोज एक समय भोजन करनेवाला पुरुष अग्निष्टोम यज्ञ का फल पाता है ।चतुर्मास में दोनों पक्षों (कृष्ण व शुक्ल पक्ष) की एकादशियों का व्रत व उपवास महापुण्यदायी है । **त्यागने योग्य** (1) सावन में साग, भादों में दही, आश्विन में दूध तथा कार्तिक में दाल व करेला का त्याग ।(2) काँसे के बर्तनों का त्याग ।(3) विवाह आदि सकाम कर्म वर्जित हैं ।चतुर्मास में परनिंदा का विशेष रूप से त्याग करें । परनिंदा महान पाप, महान भय व महान दु:ख है । परनिंदा सुननेवाला भी पापी होता है ।जो चतुर्मास में भगवत्प्रीति के लिए अपना प्रिय भोग यत्नपूर्वक त्यागता है, उसकी त्यागी हुई वस्तुएँ उसे अक्षयरूप में प्राप्त होती हैं ।

-ब्रह्मचर्य का पालन करें

चतुर्मास में ब्रह्मचर्य-पालन करनेवाले को स्वर्गलोक की प्राप्ति तथा असत्य-भाषण, क्रोध एवं पर्व के अवसर पर मैथुन का त्याग करनेवाले को अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है ।

-जप एवं स्तोत्रपाठ का फल

जो चतुर्मास में भगवान विष्णु के आगे खड़ा होकर 'पुरुष सूक्त' का पाठ करता है, उसकी बुद्धि बढ़ती है ('पुरुष सूक्त' के लिए पढ़ें ऋषि प्रसाद, जुलाई 2012) ।चतुर्मास में 'नमो नारायणाय' का जप करने से सौ गुने फल की प्राप्ति होती है तथा भगवान के नाम का कीर्तन और जप करने से कोटि गुना फल मिलता है ।

-स्नान व स्वास्थ्य-सुरक्षा

चतुर्मास में प्रतिदिन आँवला रस मिश्रित जल से स्नान करने से नित्य महापुण्य की प्राप्ति होती है ।बाल्टी में 1-2 बिल्वपत्र डाल के '?नम: शिवाय' का 4-5 बार जप करके स्नान करने से वायु-प्रकोप दूर होता है, स्वास्थ्य-रक्षा होती है ।

दफ्तरी माहौल के दिन

सुशासन की एक अलग वकालत हिमाचल में इस नजरिये से शुरू हुई कि कार्यालयों में कार्य निष्पादन के दिन हों पांच। बाकायदा इसकी एक प्रेजेनटेशन राज्य सचिवालय के सेवा महासंघ ने मुख्यमंत्री को दी है। तर्क कई हैं जो दफ्तरी माहौल से एक दिन घटा कर सरकार को लाभ प्रदान करने की गिनती करवा रहे हैं। आरंभिक गणित में दावा किया है कि पांच दिन घटा कर सरकार को साल में सौ करोड़ की बचत होगी। बचत के रास्ते अगर हर दम घटाए जाएं, तो यही लाभ दस से बीस गुना हो सकता है। कहना न होगा कि यह विषय सरकार की फिजूलखर्ची रोकने का है, न कि दिनों में जनता की लागत का हिसाब लगाया जाए। बचत के रास्ते पर कर्मचारियों पर हो रहा खर्च दिनों के हिसाब से न अधूरा है और न ही पूरा। यह कर्मचारी संख्या पर निर्भर नहीं करता कि कौन कितने घंटे काम करता है, बल्कि कार्य निष्पादन की गारंटी है। यानी दफ्तर में अगर यह सूची अमल में आए कि फलां कार्य इतने दिनों में हल होगा, वरना पांच दिन का कार्य दस दिन में भी पूरा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। ऐसे बहुत सारे दफ्तर इस प्रदेश में ऐसी कार्यसंस्कृति स्थापित कर चुके हैं कि जनता को दफ्तर मिलता है, तो कर्मचारी नदारद होते हैं। सरकार ने इंतकाल संबंधी फैसला लेकर इन्हीं दफ्तरों में सालों का कार्य दिनों में पूरा कर दिया, तो ऐसे फैसले जनता के ही करोड़ों बचा देते हैं। सरकारी मशीनरी का ढर्रा सही ढंग से काम करे, तो कम कर्मचारियों में अधिक काम होगा या कम दिनों में ज्यादा परिणाम आएंगे। बेशक पांच दिन का हफ्ता बनाने के कुछ प्रत्यक्ष लाभ हैं, लेकिन छुट्टियां बढ़ाने से कर्मठता का क्या ताल्लुक। वैसे भी दफ्तरों की हाजिरी में शनिवार की आधी दिहाड़ी और सोमवार की हाजिरी में लेटलतीफी मशहूर है, तो यही रूटीन एक दिन और पहले सरक जाएगी। इसका प्रतिकूल असर ट्रांसपोर्ट व्यवसाय पर पड़ेगा। दफ्तर पहले ही द्वितीय शनिवार की उदासी को पूरा नहीं कर पाते, तो हर शनिवार की गैरहाजिरी से सरकार के लक्ष्यों में 52 हफ्तों की देरी हो जाएगी। जो अधिकारी पूरे छह दिन में फील्ड कार्यों की प्रगति देखने तक नहीं पहुंच पाते, वे पांच दिन में क्या करेंगे। फिर प्रदेश की लागत और प्रदेश की तरक्की की तमाम अड़चनें तो राजधानी की कार्यसंस्कृति में हैं। फाइलें जिस रफ्तार से शिमला के हस्ताक्षर करवाती हैं, उसमें हफ्ते नहीं महीनों की गिनती होती है।

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलूचिस्तान का है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का आपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे हैं। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लडक़ों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच को बलूच के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलूच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलूचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते

वन-डे कप में हैम्पशायर के लिए खेलेंगे आशुतोष शर्मा

नई दिल्ली। पुरुषों के मेट्रो बैंक वन-डे कप के लिए हैम्पशायर ने ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा को साइन किया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। 27 वर्षीय आशुतोष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की तरफ से खेलते हैं, जिसके सह-मालिक हैम्पशायर के मालिक जीएमआर हैं।

हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट ने कहा, हम वन-डे कप के लिए आशुतोष को साइन करके बहुत खुश हैं। वह बहुत क्षमतावान खिलाड़ी हैं। उन्होंने हाल ही में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए उन्हें पता है कि ऊंचे स्तर पर कैसा प्रदर्शन करना होता है। हम उन्हें टीम में शामिल करने और हैम्पशायर की जर्सी में खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं, क्योंकि हम इस प्रतियोगिता में पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं।

27 वर्षीय बैटिंग ऑलराउंडर ने आईपीएल में अब तक कुल 3 सीजन खेले हैं। साल 2024 में आशुतोष ने पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए 11 मुकाबलों की 9 पारियों में 27 की औसत के साथ 189 रन बनाए। इस दौरान एक अर्धशतक भी लगाया।

अगले दो सीजन आशुतोष ने दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेला। इसके बाद आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 3.80 करोड़ रुपये में साइन किया। दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने पहले सीजन में आशुतोष ने 13 मुकाबलों की 9 पारियों में 29.14 की औसत के साथ 204 रन बनाए, जबकि अगले साल 8 मुकाबलों में 34.20 की औसत के साथ 171 रन जोड़े। आशुतोष साल 2023 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रेलवे की तरफ से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक लगा चुके हैं।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 8 मैच खेले, जिसकी 13 पारियों में 28.46 की औसत के साथ 370 रन बनाए। इसमें 1 शतक और 2 अर्धशतक शामिल रहे। इसके अलावा, 21 लिस्ट-ए मुकाबलों में उन्होंने 24.10 की औसत के साथ 458 रन जोड़े। 62 टी20 मुकाबलों में आशुतोष ने 29.69 की औसत के साथ 1,277 रन बनाए हैं, जिसमें 9 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं।

आशुतोष ने साल 2017 में मध्य प्रदेश के साथ अपना घरेलू करियर शुरू किया था और अब तक तीनों फॉर्मेट में 91 मैच खेले हैं। फिलहाल वह रेलवे के लिए खेलते हैं।

दिलीप ट्रॉफी: गायकवाड़ संभालेंगे वेस्ट जोन की कमान मुलानी बने उप-कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ को आगामी दिलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तानी सौंपी गई है। यह टीम सोमवार को जोनल सिलेक्शन कमिटी की बैठक के बाद घोषित की गई। दिलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड्स पर खेला जाएगा।

पिछले साल, भारत के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वेस्ट जोन की कमान संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक तो पहुंची, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि सेंट्रल जोन ने पहली पारी में बढ़त हासिल कर ली थी। अब, आगामी टूर्नामेंट के लिए कप्तानी की जिम्मा गायकवाड़ को सौंप दिया गया है।

ऋतुराज गायकवाड़ आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी भी करते हैं। वह हाल ही में श्रीलंका %ए% के खिलाफ 50-ओवर की ट्राई-सीरीज और रेड-बॉल मुकाबलों के लिए भारत %ए% टीम में शामिल थे।

वेस्ट जोन के खेमे में हार्विक देसाई और उर्विल पटेल के रूप में दो स्पेशलिस्ट विकेटकीपर को शामिल किया गया है। गायकवाड़ के अलावा, पृथ्वी शॉ और खान बंधु (सरफराज और मुशीर) भी टीम में हैं। उनके साथ जयमीत पटेल और शिवालिक शर्मा से बैटिंग लाइन-अप को मजबूती मिलती है।

स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी उप-कप्तान मुलानी, ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान और बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई को सौंपी गई है। तेज गेंदबाजी विभाग में ठाकुर के साथ-साथ तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और ऑलराउंडर अतीत सेठ शामिल हैं। इसके साथ ही सिलेक्टर्स ने छह सदस्यों की स्टैंडबाय खिलाड़ियों की लिस्ट भी जारी की है, जिनमें जय गोहिल, आर्य देसाई, अर्शिन कुलकर्णी, महेश पिठिया, विशाल जयसवाल और राजवर्धन हंगरगेकर शामिल हैं।

श्री चरणी-कैथरीन ब्राइस को पछाड़कर डैनी वायट-हॉज ने जीता आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

नई दिल्ली। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट-हॉज को जून 2026 के लिए %आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ% अवॉर्ड का विजेता चुना गया है, जिन्होंने %आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026% में शानदार प्रदर्शन किया था।

डैनी ने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर एन श्री चरणी को पछाड़कर यह अवॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले नवंबर 2024 में भी डैनी इस खिताब को अपने नाम कर चुकी थीं।

डैनी वायट-हॉज ने सोमवार को %आईसीसी% के एक बयान में कहा, मैं आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत खुश हूं, खासकर इसलिए क्योंकि यह घरेलू मैदान पर वर्ल्ड कप में किए गए प्रदर्शन के लिए मिला है। आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप खेल के लिए एक शानदार मौका था। लॉर्ड्स में फाइनल खेलने का मौका मिलना एक ऐसी याद है जिसे मैं और मेरी टीम की साथी हमेशा संजोकर रखेंगी।

डैनी ने कहा, भले ही हम ट्रॉफी नहीं जीत पाए, लेकिन हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। हमें इस बात का गर्व है कि हम ऐसे टूर्नामेंट का हिस्सा बने जिसने फैंस का दिल जीत लिया। मुझे उम्मीद है कि इससे बनी यादें आने वाले वर्षों में और भी कई युवा लड़कियों और लड़कों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी। मैं इस सम्मान के लिए आईसीसी की आभारी हूं और इंग्लैंड के लिए आगे भी कई मैच जिताऊ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं।

दाएं हाथ की 35 वर्षीय खिलाड़ी ने इंग्लैंड को विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। 7 मुकाबलों में 60.40 की औसत के साथ 302 रन बनाकर डैनी टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं। ऐसा करके उन्होंने साल 2020 के टूर्नामेंट में बेथ मूनी के 259 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा था। डैनी टी20 वर्ल्ड कप के एक ही संस्करण में 300 रनों का आंकड़ा पार करने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं।

डैनी ने जून 2026 में 6 मैच खेले, जिसमें 71.75 के शानदार औसत और 151.85 के स्ट्राइक रेट के साथ कुल 287 रन बनाए। डैनी के इस शानदार प्रदर्शन में श्रीलंका के खिलाफ 62 गेंदों पर नाबाद 105 रन और वेस्टइंडीज के विरुद्ध मैच 65 रनों की मैच जिताऊ पारी शामिल है। इसके अलावा, डैनी ने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रनों की तूफानी पारी खेलकर न्यूजीलैंड को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

सच बाजार

खाद्य सुरक्षा विभाग ने दिए सख्त निर्देश

मध्य प्रदेश में मिलावटी दूध के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में मिलावटी और सिंथेटिक दूध के निर्माण से जुड़े मामले सामने आने के बाद मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग सतर्क हो गया है। आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दूध उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में विशेष निगरानी, निरीक्षण और सैंपलिंग अभियान शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश के नियंत्रक मनोज पुष्प ने भोपाल सहित सभी जिलों के अभिहित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दूध से जुड़े खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच करने को कहा है।

डेयरी और चिलिंग प्लांट की होगी जांच- जारी आदेश के अनुसार अभियान के तहत जिले के सभी दूध चिलिंग प्लांट, डेयरी इकाइयां, दूध संग्रहण केंद्र, दूध निर्माण इकाइयां, थोक दूध विक्रेता अन्य संबंधित खाद्य व्यवसाय संचालक का निरीक्षण किया जाएगा। विभाग ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संदेहास्पद दूध और दुग्ध उत्पादों के पर्याप्त नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत लिए जाएं। निरीक्षण के दौरान यदि दूषित, मिलावटी या सिंथेटिक दूध पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर प्रतिष्ठान को सील करने और सामग्री जब्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। दूध की प्रारंभिक जांच के लिए मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब और मैजिक बॉक्स का उपयोग किया जाएगा, ताकि मौके पर ही दूध की गुणवत्ता और मिलावट की जांच की जा सके।

विभाग ने निर्देश दिए हैं कि मिलावटी दूध, नकली दूध या खाद्य अपमिश्रण से जुड़ी गतिविधियां मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त कार्रवाई की जाए। साप्ताहिक अभियान के दौरान किए गए निरीक्षण, लिए गए नमूने, त्वरित जांच और की गई वैधानिक कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सभी जिलों को 31 जुलाई 2026 तक मुख्यालय भोपाल भेजनी होगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने अधिकारियों को निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। विभाग का उद्देश्य प्रदेश में दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा मिलावटखोरों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

वी ने मप्र में 5जी सेवाओं का विस्तार किया

भोपाल। दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने मध्य प्रदेश में अपने 5जी नेटवर्क का विस्तार करते हुए सागर, सतना और जबलपुर में 5जी सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। इससे पहले कंपनी भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में अपनी 5जी सेवाएं लॉन्च कर चुकी है। कंपनी के अनुसार, सागर, सतना और जबलपुर राज्य के प्रमुख औद्योगिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक और व्यावसायिक केंद्र हैं। जबलपुर प्रशासनिक, न्यायिक और पर्यटन गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, जबकि सतना को %सीमेंट सिटी ऑफ इंडिया% के रूप में जाना जाता है। वहीं सागर शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इन शहरों में हाई-स्पीड मोबाइल डेटा की बढ़ती मांग को देखते हुए 5जी सेवाओं का विस्तार किया गया है। वोडाफोन आइडिया की मप्र एवं छग बिजनेस हेड कविता नाडकर्णी ने कहा कि भोपाल, इंदौर और ग्वालियर के बाद सागर, सतना और जबलपुर में 5त्र सेवाओं का विस्तार कंपनी की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए नया कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स 384 किया नोटिफाई

वाणिज्य संवाददाता.भोपाल

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए नया कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स (सीआईआई) जारी कर दिया है। सरकार ने इसे बढ़ाकर 384 निर्धारित किया है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 376 था। नया इंडेक्स 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स का उपयोग लंबे समय बाद बेची जाने वाली संपत्तियों की खरीद लागत को महंगाई के अनुसार समायोजित करने के लिए किया जाता है। इससे कागजों पर पूंजीगत लाभ (कैपिटल गेन) कम हो जाता है और करदाता को कम टैक्स देना पड़ सकता है। हालांकि फाइनेंस एक्ट 2024 में किए गए बदलावों के बाद इंडेक्सेशन का लाभ अब सभी करदाताओं और सभी प्रकार की संपत्तियों पर उपलब्ध नहीं रहेगा।

वरिष्ठ करसलाहकार राजेश जैन के अनुसार, नए सीआईआई का लाभ मुख्य रूप से उन भारतीय निवासियों और हिंदू अविभाजित परिवारो को मिलेगा, जिन्होंने 23 जुलाई 2024 से पहले जमीन या मकान खरीदा था और अब उसे बेच रहे हैं। उनके अनुसार करदाताओं के पास दो विकल्प होंगे-बिना इंडेक्सेशन के 12.5 प्रतिशत की दर से टैक्स देना। इंडेक्सेशन का लाभ लेकर 20 प्रतिशत की दर से टैक्स देना। नया सीआईआई बढ़कर 384 होने से पुरानी संपत्तियों की खरीद लागत महंगाई के अनुसार अधिक मानी जाएगी, जिससे कर योग्य लाभ कम हो सकता है और कई मामलों में टैक्स बचत संभव होगी। विशेषज्ञों का सुझाव है कि रिटर्न दाखिल करने से पहले दोनों विकल्पों के तहत टैक्स की गणना कर तुलना कर लेनी चाहिए।

इन निवेशों पर नहीं मिलेगा इंडेक्सेशन का लाभ- कर विशेषज्ञों के मुताबिक फाइनेंस एक्ट 2024 के बाद अब सोना, डेट म्यूचुअल फंड और अनलिस्टेड शेयरों की बिक्री पर इंडेक्सेशन का लाभ समाप्त कर दिया गया है। इन परिसंपत्तियों से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर बिना इंडेक्सेशन के सीधे 12.5 प्रतिशत टैक्स लागू होगा। इसके अलावा, एनआरआई और कॉर्पोरेट करदाताओं को भी पुरानी अचल संपत्ति की बिक्री पर इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलेगा।

भारत में डेंगू की पहली वैक्सीन क्यूडेंगा को मंजूरी

नई दिल्ली। भारत में डेंगू की रोकथाम की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने टाकेडा बायोफार्मास्युटिकल्स इंडिया की डेंगू वैक्सीन क्यूडेंगा को बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। यह भारत में स्वीकृत होने वाली पहली डेंगू वैक्सीन है। इसे 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में लगाया जा सकेगा और टीकाकरण से पहले डेंगू संक्रमण की जांच कराने की आवश्यकता नहीं होगी। कंपनी के अनुसार, क्यूडेंगा डेंगू वायरस के सभी चारों सीरोटाइप से सुरक्षा प्रदान करने के लिए विकसित की गई है। यह उन लोगों के लिए भी उपयुक्त है जिन्हें पहले कभी डेंगू नहीं हुआ है।

सरकारी फैसले और कमजोर मानसून का असर लगातार तीसरे हफ्ते बढ़े चावल के दाम

वाणिज्य डेस्क.भोपाल

चावल की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। वैश्विक बाजार में भारतीय चावल की मांग मजबूत बनी हुई है, जिसके चलते निर्यात कीमतों में लगातार तीसरे सप्ताह बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कारोबारियों के मुताबिक, कीमतों में इस उछाल के पीछे सरकार की ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत तय की गई ऊंची दरें और कमजोर मानसून प्रमुख कारण हैं। भारत चावल उत्पादन और निर्यात के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय चावल की बढ़ती मांग का असर घरेलू और निर्यात कीमतों पर दिखाई दे रहा है।

बाजार जानकारों के अनुसार भारत के 5 प्रतिशत टूटे हुए उबले चावल (पारबॉयल्ड राइस) की कीमत इस सप्ताह बढ़कर लगभग 30,272 से 30,702 प्रति टन तक पहुंच गई है, जबकि पिछले सप्ताह यह करीब 29,928 से 30,272 प्रति टन थी। वहीं, 5 प्रतिशत टूटे हुए भारतीय सफेद चावल की कीमत भी लगभग 30,358 से 30,702 प्रति टन दर्ज की गई है। चावल व्यापारियों के मुताबिक, बाजार को उम्मीद थी कि ओएमएसएस (ओपन मार्केट सेल स्कीम) के तहत रिजर्व चावल की कीमतों में कमी आएगी, लेकिन सरकार की ओर से कीमतें बढ़ाए जाने के बाद खुले बाजार में भी तेजी देखने को मिली है।

कमजोर मानसून से घटी धान की बुवाई- बाजार जानकार और कारोबारी अनुपम अग्रवाल के अनुसार इस साल मानसून की कमजोर शुरुआत और अलनीनो प्रभाव के कारण कई क्षेत्रों में बारिश सामान्य से कम रही है। इसका असर धान की खेती पर पड़ा है। धान की बुवाई में कमी को भी चावल की कीमतों में तेजी की एक बड़ी वजह माना जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि यदि मानसून की स्थिति में सुधार नहीं हुआ और धान की बुवाई प्रभावित रही, तो आने वाले समय में चावल की कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। वहीं, वैश्विक मांग और निर्यात बाजार की गतिविधियां भी कीमतों की दिशा तय करेंगी।

सिल्वर स्टॉर्म पार्क्स का आईपीओ 24 को खुलेगा

मुंबई। एकीकृत मनोरंजन (इंटीग्रेटेड अम्यूजमेंट) डेस्टिनेशन सिल्वरस्टॉर्म पार्क्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड ने 24 जुलाई, 2026 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी का लक्ष्य 82.43 करोड़ रु. जुटाने का है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस इश्यू में 10 रु. अंकित मूल्य वाले 61,98,000 नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ का प्राइस बैंड 123 से 133 रु. प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 को खुलेगी।

टाटा एआईए की बड़ी उपलब्धि

मप्र के 17 सलाहकार बने एमडीआरटी क्वालिफायर

वाणिज्य डेस्क.भोपाल

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने एजेंसी डिस्ट्रीब्यूशन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मध्य प्रदेश के 17 बीमा सलाहकारों के मिलियन डॉलर राउंड टेबल (एमडीआरटी) क्वालिफायर बनने की घोषणा की है। यह उपलब्धि कंपनी के मजबूत सलाहकार नेटवर्क और ग्राहकों को बेहतर वित्तीय मार्गदर्शन देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ग्लोबल एमडीआरटी रैंकिंग 2026 के अनुसार मध्य प्रदेश से चयनित सलाहकारों में जबलपुर के 4, कटनी के 3 और रीवा के 3 सलाहकार शामिल हैं। वहीं देशभर में टाटा एआईए के कुल 1,397 सलाहकारएमडीआरटीके लिए क्वालिफाई हुए हैं।

टाटा एआईए ने एमडीआरटी योग्य सलाहकारों की संख्या के मामले में भारत में लगातार चौथे वर्ष पहला स्थान हासिल किया है। कंपनी को वैश्विक स्तर पर 13वीं रैंक मिली है। कंपनी के एमडीआरटी सदस्यों में करीब 50 प्रतिशत यानी 695 महिला सलाहकार शामिल हैं, जो वित्तीय सलाह क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। कंपनी का कहना है कि एमडीआरटी क्वालिफाई करने वाले सलाहकार ग्राहकों की जरूरतों को समझकर उन्हें परिवार की सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट प्लानिंग और लंबी अवधि की संपत्ति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय फैसलों में सहायता करते हैं।टाटा एआईए के अनुसार, कंपनी फुल-टाइम और प्रोफेशनल सलाहकारों के नेटवर्क को मजबूत करने पर लगातार काम कर रही है। इसके लिए 'टाटा एआईए ऑरा' प्लेटफॉर्म के माध्यम से सलाहकारों को ट्रेनिंग, मेंटरशिप, डिजिटल टूल्स और क्षमता विकास के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ई20 के बाद इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने की तैयारी

सरकार ने एफसीआई से 72 लाख टन चावल किया आरक्षित

एजेंसी.नई दिल्ली

पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण (ई20) को लेकर जारी बहस के बीच केंद्र सरकार ने देश में इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने अनाज आधारित इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डिस्टिलरियों को कच्चा माल उपलब्ध कराने की योजना तैयार की है। इसके तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के भंडार से 72 लाख टन चावल आरक्षित किया गया है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार, इथेनॉल सप्लाई वर्ष 2026-27 के लिए डिस्टिलरियों को एफसीआई के आधिकारिक स्टॉक से 72 लाख टन चावल उपलब्ध कराया जाएगा। यह मात्रा पिछले आपूर्ति वर्ष 2025-26 में आवंटित 52 लाख टन चावल से अधिक है। इसके अलावा 55 लाख टन टूटे (ब्रोकन) चावल को ई-नीलामी के माध्यम से बेचने की मंजूरी भी दी गई है।

इथेनॉल उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा- मंत्रालय ने एफसीआई को भेजे निर्देश में कहा है कि इथेनॉल उत्पादन के लिए डिस्टिलरियों को 2,390 रुपये प्रति क्विंटल की दर से चावल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा चावल मिलिंग ट्रांसफॉर्मेशन योजना के तहत तैयार टूटे चावल की बिक्री भी ई-नीलामी के जरिए की जाएगी। सरकार का यह कदम ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब देश पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है और भविष्य में इसे और बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

डिस्टिलरियों की लागत में आएगी कमी- तेल विपणन कंपनियां एफसीआई के चावल से बने इथेनॉल को 58.50 रुपए प्रति लीटर की दर से खरीदती हैं, जबकि टूटे चावल से बने इथेनॉल की खरीद कीमत करीब 64 रुपए प्रति लीटर है। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि टूटे चावल की उपलब्धता बढ़ने से डिस्टिलरियों की उत्पादन लागत और आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है।

इथेनॉल की बढ़ती मांग को पूरा करने की तैयारी- सरकार का लक्ष्य पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण बढ़ाकर कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। 20 प्रतिशत मिश्रण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तेल एवं गैस कंपनियों को हर साल करीब 1,050 से 1,100 करोड़ लीटर इथेनॉल की जरूरत होती है। देश में सालाना लगभग 2,000 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पादन क्षमता मौजूद है। सरकार का मानना है कि एफसीआई के चावल भंडार का उपयोग करने से गन्ने और मक्के की उपलब्धता में कमी आने की स्थिति में भी इथेनॉल की आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी।

राज्यों और एजेंसियों को भी आवंटन- सरकार ने राज्यों की एजेंसियों के लिए भी चावल आवंटित किया है। जुलाई से अक्टूबर 2026 के दौरान 16 लाख टन चावल 2,320 रुपये प्रति क्विंटल और नवंबर 2026 से जून 2027 के दौरान 32 लाख टन चावल 2,390 रुपए प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराया जाएगा।

वीआईटी भोपाल में आईईईई का पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईईसीएस 2026 संपन्न, 232 शोध-पत्र हुए प्रस्तुत

सच संवाददाता ॥ भोपाल

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी में 17 और 18 जुलाई को आयोजित आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंटेलिजेंट इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटेशनल सिस्टम्स (आईईसीएस 2026) का पहला संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दो दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने भाग लेकर इंटेलिजेंट इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटेशनल सिस्टम्स और उभरती प्रौद्योगिकियों पर अपने शोध एवं विचार साझा किए।

स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग द्वारा आईईईई स्टूडेंट ब्रांच के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन को वैश्विक स्तर पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली। सम्मेलन के लिए 2,300 से अधिक शोध-पत्र प्राप्त हुए, जिनमें कठोर सहकर्मी समीक्षा (पीयर रिव्यू) के बाद 232 शोध-पत्रों का चयन नौ तकनीकी सत्रों में मौखिक प्रस्तुति के लिए किया गया। लगभग 10 प्रतिशत की स्वीकृति दर ने सम्मेलन की उच्च अकादमिक गुणवत्ता को दर्शाया।

सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. राजीव दीक्षित, वाइस चेयरमैन, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल ने किया। इस अवसर पर आईईईई मध्य प्रदेश सेक्शन के अध्यक्ष प्रो. जीएस तोमर, चेयर-इलेक्ट डॉ. मनीष दीक्षित, आरजीपीवी के डॉ. जितेंद्र अग्रवाल तथा आईईईई मध्य प्रदेश सेक्शन के सचिव प्रो. एमपीएस चावला सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सम्मेलन के दौरान डेटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वीएलएसआई डिजाइन, आरएफ एवं एंटीना डिजाइन, कम्युनिकेशन एवं नेटवर्क, इलेक्ट्रिकल एवं पावर सिस्टम, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड एवं साइबर सुरक्षा, सिग्नल एवं इमेज प्रोसेसिंग, कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी तथा हेल्थकेयर एवं बायोटेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर शोध प्रस्तुत किए गए।

देश के प्रमुख संस्थानों जैसे आईआईटी इंदौर, आईआईटी जम्मू, एनआईटी पुडुचेरी, आईआईटीआरएएम अहमदाबाद, आईईटी-डीएवीवी इंदौर, बिट्स पिलानी, बेनेट यूनिवर्सिटी, एमएएनआईटी भोपाल और आरजीपीवी के अलावा फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, चीन और बेल्जियम सहित कई देशों के शोधकर्ताओं ने भी सम्मेलन में भागीदारी की। सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सत्य गुप्ता का मुख्य व्याख्यान रहा।

इस दौरान बिल्डिंग अ सेल्फ रिलायंट सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विषय पर विशेष पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें शिक्षा, उद्योग और शासन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण, प्रतिभा विकास और नीतिगत प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा, डॉ. विवेक तिवारी और डॉ. अंबिका पी. शाह ने भी तकनीकी व्याख्यान देकर प्रतिभागियों को नई तकनीकी संभावनाओं से अवगत कराया।

आरएनटीयू ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मून डे, स्कूली बच्चों में जगाई अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि

सच संवाददाता ॥ भोपाल

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिकलोद में 'अंतरराष्ट्रीय मून डे' का आयोजन कर विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान और वैज्ञानिक सोच के प्रति प्रेरित किया। 'वन मून, वन विजन, वन फ्यूचर' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति रुचि विकसित करना था। इसका संचालन आरएनटीयू के सी. वी. रमन विज्ञान संचार केंद्र की समन्वयक डॉ. प्रीति सिंह और उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत चंद्रमा और अंतरिक्ष विज्ञान के महत्व पर चर्चा से हुई। इसके बाद पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को चंद्रमा की उत्पत्ति, उसकी कलाएं, पृथ्वी पर उसके प्रभाव, ज्वार-भाटा, अपोलो-11 मिशन तथा भारत के चंद्रयान-1, चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 मिशनों की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही चंद्रमा से जुड़े कई रोचक वैज्ञानिक तथ्यों से भी उन्हें अवगत कराया गया। इस अवसर पर आयोजित 'मून क्विज' प्रतियोगिता कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। विद्यार्थियों से चंद्रमा की दूरी, उस पर कदम रखने वाले पहले मानव, चंद्रमा की कलाओं और भारत के चंद्र अभियानों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने 'मेरा चंद्रमा', 'चंद्रयान-3', 'भविष्य का चंद्र मिशन' और 'चंद्रमा पर जीवन' जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। प्रतिभागियों की कल्पनाशीलता और रचनात्मकता की सभी ने सराहना की।

आरएनटीयू की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय चंद्र दिवस जैसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान की वास्तविक उपलब्धियों से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने, जिज्ञासा को बढ़ावा देने तथा विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लायंस क्लब भोपाल ग्लोरियस ने चलाया पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान

सच संवाददाता ॥ भोपाल

लायंस क्लब ऑफ भोपाल ग्लोरियस ने लायन वर्ष 2026-27 की पहली सेवा गतिविधि के तहत ग्राम रातीबड़ में पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक पौधारोपण के माध्यम से हरित वातावरण का निर्माण करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन महेश मालवीय ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर रीजन चेयरपर्सन लायन प्रकाश बच्चानी, डिस्ट्रिक्ट एनवायरनमेंट चेयरपर्सन लायन अनीता मिश्रा तथा जोन चेयरपर्सन लायन डॉ. रचना अखंड गिरी ने भी पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। अभियान में डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी लायन सुमित अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट प्रोटोकॉल ऑफिसर लायन संजीव मिश्रा, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर लायन गगनकांत त्रिपाठी, लायन रोहित सिसोदिया, डॉ. उर्मिला मुंशी, श्रीमती बच्चानी, ग्राम रातीबड़ के सरपंच अजय राजोरिया तथा भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा प्रियंका मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के नेकेड एंड अफ्रेड

मुंबई ॥ एजेंसी

लहू उघड़े ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में जीत हासिल की है। अपने एवरेस्ट पर्वतारोहण और सालों के प्रकृति के बीच रहने के अनुभव की बदौलत लहू उघाड़े डिस्कवरी के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रोमांचकारी सर्वाइवल फ्रेंचाइजी के भारतीय संस्करण को जीत सके। एशिया-पेसिफिक क्षेत्र में पहली बार पहुंचा यह शो आदिमानवों कि जीवनशैली और उनकी सूझबूझ, कर्मठता और जीवित रहने के कौशल से प्रेरित है। नेकेड एंड अफ्रेड - आदिमानव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के छह प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिन्हें फिलिपींस के भयावह और चुनौतीपूर्ण पलावन जंगल में उतारा गया था। इस यात्रा में उन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना किया, अनजान जंगलों के बीच से रास्ता खोजा और ऐसे वातावरण में खुद को ढाला जहां हर निर्णय मायने रखता है। लहू के लिए यह जीत प्रकृति से उनके जीवनभर के जुड़ाव का उच्च बिंदु था। पुणे में रहने वाले और सिंहगढ़ के कठिन पहाड़ी इलाके में पले-बड़े लहू बचपन से ही जंगलों, ट्रैकिंग, और पर्वतारोहण कि तरफ आकर्षित थे और आगे जाकर उन्होंने माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई भी की। नेकेड एंड अफ्रेड = आदिमानव में उनका यही अनुभव उनके काम आया जहां उन्होंने शांति से निर्णय लिए, परिस्थिति के साथ तालमेल बिठाया और कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखा।

शो की पूरी यात्रा के दौरान लहू अपने ग्रुप के एक विश्वसनीय स्तंभ के रूप में खड़े रहे और अपने जीवित रहने के कौशल का उपयोग अपने प्रतिभागियों को सुरक्षित और आरामदायक रखने में किया, खासतौर पर जंगलों की कठिन मांगों को समझते हुए। उनकी कर्मठता, जुगाड़ू दिमाग और किसी भी परिस्थिति को सहन करने के अडिग विश्वास ने उन्हें हर चुनौती से पार पड़ने और जीत हासिल करने में मदद की। अपनी इस जीत को लेकर लहू उघड़े ने कहा कि,नेकेड एंड अफ्रेड - आदिमानव को जितना मेरे लिए एक बेहद खास मौका है। इस अनुभव ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जो मेरी सोच से परे थी, और मुझे ऐसे पाठ पढ़ाए हैं जो जीवनभर मेरे काम आएंगे। कुछ दिन बेहद कठिन थे, संदेह के कई क्षण भी थे और ऐसी परिस्थितियां थीं जिन्होंने मुझे और गहराई तक उतरने के लिए मजबूर किया। पीछे मुड़कर देखता हूं तो मैं हर चुनौती के लिए शुक्रगुजार हूं क्योंकि उसने मेरी इस उपलब्धि को और भी अर्थपूर्ण बनाया है।

सीआरडब्ल्यूएस निशातपुरा में पहली बार हुई अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

विजेता करेंगे पश्चिम मध्य रेल का प्रतिनिधित्व

सच संवाददाता ॥ भोपाल

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना (सीआरडब्ल्यूएस), निशातपुरा में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन और हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाडे के संरक्षण तथा संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी संदीप शर्मा के निर्देशन में आयोजित की गई। राजभाषा विभाग की इस प्रतियोगिता में कारखाने के विभिन्न विभागों एवं शॉपों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के राजभाषा हिंदी, भाषा एवं साहित्य, भारतीय रेल के कार्यकलापों तथा समसामयिक विषयों से जुड़े ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

संपर्क राजभाषा अधिकारी संदीप शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत सरकार की राजभाषा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करना तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि कारखाना स्तर पर इस प्रकार की हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता पहली बार आयोजित की गई, जिसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया गया। प्रतियोगिता के लिए तीन अलग-अलग प्रश्नपत्र तैयार किए गए तथा उत्तर देने के लिए ओएमआर आधारित उत्तर-पत्रकों का उपयोग किया गया।

उन्होंने बताया कि कारखाना स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में आयोजित क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित अखिल भारतीय हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के दौरान सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना के सेवानिवृत्त सहायक कार्य प्रबंधक प्रशांत नरसिंहपुर ने पर्यवेक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाडे ने अपने संदेश में कहा कि हिंदी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति स्वस्थ एवं ज्ञानवर्धक प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन कर्मचारियों के ज्ञान और व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को भी प्रोत्साहित करते हैं।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि सीआरडब्ल्यूएस तकनीकी उत्कृष्टता के साथ राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन में भी अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को क्षेत्रीय एवं रेलवे बोर्ड स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी गईं तथा कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प दोहराया गया।

पुलिस पब्लिक विद्यालय में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर, विद्यार्थियों को स्क्रीन टाइम घटाने की सलाह

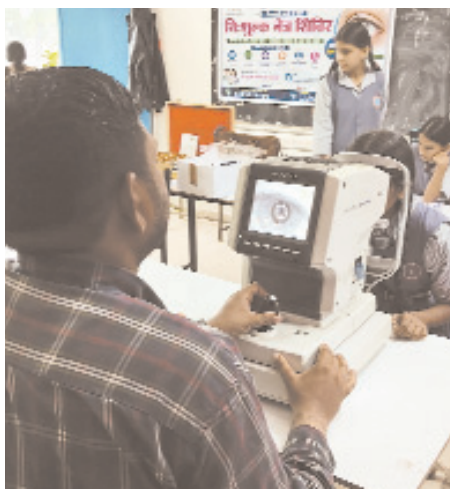

सच संवाददाता ॥ भोपाल

हम लोग शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, भोपाल द्वारा एएसजी नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से पुलिस पब्लिक विद्यालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य वंदना वर्मा तथा श्री राम कैथवास ने किया। उन्होंने आयोजन के लिए एएसजी नेत्रालय और समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए आंखों का स्वस्थ होना आवश्यक है और समय-समय पर नेत्र जांच कराना जरूरी है।मुख्य सलाहकार डॉ. शुभांगी ने विद्यार्थियों को डिजिटल स्क्रीन के बढ़ते उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम आंखों की रोशनी और दृष्टि पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। इसलिए स्क्रीन का सीमित उपयोग करें और नियमित नेत्र परीक्षण कराते रहें। शिविर में कक्षावार विद्यार्थियों की आंखों की रोशनी, निकट एवं दूर दृष्टि तथा पढ़ने की क्षमता की जांच की गई। एएसजी नेत्रालय के सहयोगी स्टाफ अनिल, राजेंद्र और सतीश चौकसे ने जांच रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों को आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन दिया। शिविर के सफल आयोजन में हम लोग शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के मुनींद्र सिंह, राहुल गजभिए और जितेंद्र ढोंके की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरणः आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंडः आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभः रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथिः पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरणः नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंडः सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथिः 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य।
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप

- विवरणः नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंडः आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभः रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथिः 15-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

एएमपी स्कॉलरशिप फंड फॉर हायर एजुकेशन 2026

- विवरणः एएमपी स्कॉलरशिप फंड फॉर हायर एजुकेशन 2026, एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स द्वारा प्रदान की जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद और योग्य मुस्लिम छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपनी उच्च और व्यावसायिक शिक्षा को अधिक सुगमता से जारी रख सकें।
- मानदंडः उन छात्रों के लिए आवेदन जारी है, जिन्होंने किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। उन्हें अपनी उच्च शिक्षा के अंतर्गत पेशेवर, व्यावसायिक या तकनीकी पाठ्यक्रम में अध्ययनरत होना चाहिए। आवेदकों का यूजीसी/एआईसीटीई-मान्यता प्राप्त सरकारी या निजी संस्थान में नामांकित होना अनिवार्य है, साथ ही शैक्षणिक योग्यता और आर्थिक आवश्यकता का प्रदर्शन करना होगा। उन्हें शरिया दिशा-निर्देशों के अनुसार जकात प्राप्त करने की पात्रता होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः रुपए 10,000 की वित्तीय सहायता।
- अंतिम तिथिः 31-08-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/AHE5
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/amp-scholarship-fund-for-higher-education-20261782807407.png

एजुकेशन फ्यूचर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2026

- विवरणः एजुकेशन फ्यूचर इंटरनेशनल स्कॉलरशिप 2026, एजुकेशन फ्यूचर संगठन द्वारा उन मेधावी भारतीय छात्रों को प्रदान की जा रही है जो विदेश में अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
- मानदंडः आवेदन वैध पासपोर्ट युक्त भारतीय नागरिकों के लिए जारी है, जो भारत से बाहर किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/कॉलेज में पूर्वस्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। आवेदकों द्वारा 10वीं एवं 12वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त करना आवश्यक है तथा शिक्षा वित्त पोषण हेतु आर्थिक अभाव का प्रदर्शन करने में सक्षम होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः रुपए 2 से रुपए 10 लाख के बीच की छात्रवृत्ति।
- अंतिम तिथिः 30-08-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/EFIS1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/educa-

इस्कॉन सेवा संस्था ने धूमधाम से निकाली महाप्रभु जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा

आष्टा। नगर में धार्मिक आस्था और उत्साह का अनूठा माहौल उस समय देखने को मिला जब इस्कॉन सेवा संस्था की आष्टा इकाई द्वारा महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की भव्य एवं विशाल रथयात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ किया गया।

रथयात्रा का शुभारंभ एवं पूजन-अर्चना - रथयात्रा का भव्य शुभारंभ स्थानीय गायत्री मंदिर परिसर से हुआ। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा एवं नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने रथ में विराजित महाप्रभु जगन्नाथ जी, भगवान बलभद्र एवं महारानी सुभद्रा जी के पावन श्रीविग्रहों का विधिवत पूजन-अर्चन कर आरती उतारी। तत्पश्चात अतिथियों ने महाप्रभु के रथ को खींचकर यात्रा का शुभारंभ किया।

समिति सदस्यों का सम्मान - आयोजन समिति द्वारा नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, नगर महामंत्री तारा कटारिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रूपेश राठौर, पार्षद रवि शर्मा, हिउस अध्यक्ष नारायण भूरू मुकाती सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का मोती की माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान हेतु यात्रा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश पाटीदार, महामंत्री हरिओम कटारिया, सचिव नवीन पंचांग, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनी, उपाध्यक्ष चंद्रेश माथुर, अनिल भाटी, संदीप सोनी एवं समिति के अन्य सदस्यों का साफा बांधकर स्वागत सम्मान किया।

नगर भ्रमण एवं मुख्य मार्गों पर स्वागत - गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर यह दिव्य रथयात्रा नगर के मुख्य मार्ग कन्नौद रोड से होकर गुजरी। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा, हरे हरे... हरे राम, हरे राम, राम राम, हरे हरे के भक्तिमय संकीर्तन और जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर महाप्रभु का स्वागत किया और आरती उतारकर पुण्य लाभ अर्जित किया। गीतांजलि गार्डन पर समापन एवं महाप्रसाद - भक्ति, संगीत और कीर्तन के बीच रथयात्रा कॉलोनी चौराहा स्थित गीतांजलि गार्डन पहुंची, जहां महाआरती के साथ यात्रा का विधिवत समापन हुआ। समापन स्थल पर श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगर के धर्मप्रेमी बंधु शामिल हुए।

मां ताप्ती जन्मोत्सव पर वायगांव में 51 पौधों का हुआ रोपण

बैतूल। मां सूर्यपुत्री ताप्ती के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर ग्राम श्री क्षेत्र वायगांव में पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक संदेश देते हुए पौधारोपण कार्य म आयोजित किया गया। इस दौरान 51 पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्य म में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्य म के दौरान नारियल, सुपारी एवं ट्रैवल ट्री के 51 पौधे रोपे गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। वक्त ाओं ने कहा कि मां ताप्ती का जन्मोत्सव प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी निभाने का भी अवसर है। पौधा रोपण से पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। पौधा रोपण कार्य म में क्षेत्रीय विधायक चंद्रशेखर देशमुख, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश पाठक, भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक, ग्राम सरपंच रामदास आहाके, पूर्व जनपद सदस्य प्रमोद धोटे, रमेश चढ़ोकार, आनंदराव धोटे, भीमराव गोडकी, राम मंदिर समिति अध्यक्ष पंढरीनाथ पाटणकर, विजय धोटे, सुरेश झपाटे, राजेश मकोड़े, भूतपूर्व सैनिक सुखदेव दरवाई सहित ग्राम के बड़ी संख्या में युवा एवं बुजुर्ग उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

सच संक्षेप

अधिक वर्षा और नगर की सुख-समृद्धि के लिए होगा दो दिवसीय रामसत्ता का आयोजन

मंडीदीप। नगर में अच्छी वर्षा, सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना को लेकर रामलीला मैदान, गणेश चौक में 26 एवं 27 जुलाई को दो दिवसीय रामसत्ता का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन की विशेष बात यह है कि इसे नगर की मातृशक्तियों द्वारा संपन्न कराया जा रहा है। आयोजकों ने नगरवासियों से अधिक वर्षा और खुशहाली के लिए सामूहिक प्रार्थना में सहभागी बनने का आह्वान किया है। आयोजन की शुरुआत 26 जुलाई (रविवार) सुबह 11 बजे रामसत्ता पाठ से होगी। इसके बाद 27 जुलाई (सोमवार) दोपहर 2 बजे प्रसिद्ध गायक शिवम तिवारी द्वारा भजन-कीर्तन एवं सुंदरकांड की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं शाम 5 बजे रामलीला मैदान में विशाल नगर भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर आयोजक सयंम जेन ने बताया कि उनका जन्मदिवस भी 27 जुलाई को है। उन्होंने जन्मदिवस को सेवा, भक्ति और जनकल्याण से जोड़ते हुए सभी नागरिकों से कार्यक्रम में परिवार सहित शामिल होकर भगवान श्रीराम के चरणों में नगर में अधिक वर्षा, सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना करने की अपील की है। आयोजन समिति के अनुसार रामसत्ता, भजन-कीर्तन, सुंदरकांड एवं भंडारे की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगर की मातृशक्तियां एवं युवा कार्यकर्ता आयोजन को सफल बनाने के लिए लगातार जुटे हुए हैं।

श्री हिंदू उत्सव समिति ने 7 लाख रुपए की एफडी कराई, कुल जमा राशि पहुंची 24 लाख रुपए

मंडीदीप। नगर के सनातन हिंदू समाज के हित में कार्यरत श्री हिंदू उत्सव समिति ने सोमवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में समिति के नाम 7 लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) कराई। समिति पदाधिकारियों ने इसे संस्था की आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया। एफडी कराने के लिए समिति अध्यक्ष अजीत सिंह चौहान, सचिव अशोक भार्गव, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार चौबे सहित अन्य सदस्य प्रमुख रूप से बैंक पहुंचे और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में कार्यरत समिति इससे पहले भी 17 लाख रुपए की एफडी करा चुकी है। नई 7 लाख रुपए की एफडी के बाद समिति की कुल एफडी राशि अब 24 लाख रुपए हो गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह राशि भविष्य में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों तथा सनातन हिंदू समाज के हित में किए जाने वाले कार्यों में सहायक सिद्ध होगी। समाजजनों ने अध्यक्ष, सचिव सहित समस्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि समिति इसी प्रकार आर्थिक रूप से मजबूत होकर समाज सेवा के कार्य निरंतर करती रहेगी।

राहुल नगर में नालियों की सफाई, गणेश चौक की क्षतिग्रस्त पुलिया का लिया जायजा

मंडीदीप। आगामी मानसून को देखते हुए नगर परिषद ने बारिश पूर्व तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में आज राहुल नगर क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। क्षेत्र का निरीक्षण कर नालियों की सघन सफाई कराई गई, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान गणेश चौक पहुंचकर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल ने वहां स्थित क्षतिग्रस्त पुलिया का भी स्थलीय अवलोकन किया गया। संबंधित अधिकारियों को पुलिया की मरम्मत का कार्य शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए, जिससे आवागमन सुरक्षित एवं सुगम बना रहे। नगर परिषद ने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को समय पर उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। परिषद द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में लगातार निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्यों की निगरानी की जा रही है, ताकि बारिश के मौसम में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

रक्षित निरीक्षको ने सेल्फी लेकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

शहडोल। नशा मुक्ति का संदेश देने एवं नशे के दुष्परिणामो के प्रति समाज को जागरूक करने के उददेश्य पुलिस अधीक्षक श्री संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में शहडोल जिले के विभिन्न थानांतर्गत नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान प्रगति पर है। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत जिले में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, चौपाल इत्यादि जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन कर नशा मुक्ति का संदेश दिया जा रहा है। इसी कड़ी में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत रक्षित निरीक्षक श्रीमती प्रियंका शर्मा एवं सुश्री राजमति परस्ते ने सेल्फी लेकर युवाओ को नशा मुक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आइए, नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का हिस्सा बनें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के लंबित पत्रों की विभागवार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 50 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि जिन विभागों में 50 दिवस से अधिक समय से शिकायतें लंबित हैं, उनके विभाग प्रमुख स्वयं नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा शिकायतों के निराकरण संबंधी जवाब एल-1 अधिकारी के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड नहीं रहनी चाहिए तथा प्रत्येक शिकायत का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। सीएम हेल्पलाइन में डी ग्रेड में आने वाले एल-1 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने सी एवं डी श्रेणी में शामिल विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित सुधार लाने तथा ए श्रेणी में आने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार सी एवं डी श्रेणी में रहने वाले विभागों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

बढ़ते अपराध और जान माल की सुरक्षा को लेकर एकजुट हुए व्यवसायी

बैतूल। रविवार रात्रि में शिव शक्ति पेट्रोल पंप अखतवाडा खेड़ी में हुई मारपीट की घटना पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेड्स के तत्वावधान में सोमवार दोपहर एक बजे जिले के समस्त व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों, व्यापारियों ने एकजुट होकर पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन को शहर में बढ़ते अपराध पर रोक लगाने और व्यवसायियों एवं आम नागरिकों की जान माल की सुरक्षा की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। कैट के जिलाध्यक्ष मनोज भार्गव ने बताया कि खेड़ी पेट्रोल पंप की घटना में पंप संचालक हिरेन पटेल द्वारा पुलिस थाने में नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है जिस पर कार्रवाई होनी चाहिए। जिले में इन दिनों व्यवसाइयों को धमकी देकर हमला करने की घटना बढ़ती जा रही हैं। बीती रात उक्त पेट्रोल पंप पर जिस तरह दर्जन भर नकाबपोश बदमाशों ने कर्मचारियों पर जानलेवा हमला कर तोडफोड की है उससे प्रतीत होता है कि अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज जरूर किया है किंतु जब तक अपराधियों को गिरफ्तार करके उन पर गैंगस्टर एक्ट, एनएसए और उनके अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन नहीं होगा तब तक उनमें अपराध के प्रति भय भी व्याप्त नहीं होगा। इसके पूर्व में भी शहर में कई बार चोरी, डकैती हुई है किंतु पुलिस विभाग द्वारा आज तक किसी भी अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की गई है। इससे व्यापारी वर्ग में बेहद आ ोश और भय कायम है। यदि 48 घंटे में उचित कार्रवाई नहीं होती है तो व्यापारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपते समय कैट के जिलाध्यक्ष मनोज भार्गव, सचिव दीपक खुराना, उपाध्यक्ष आलोक मालवीय, कोषाध्यक्ष मनोज मेहता, योगी खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र काबरा, राजेश आहूजा, राजू अग्रवाल, राकेश शर्मा, विवेक मालवीय, जैमिन पटेल, अमित सपरा, कपड़ा व्यापारी एसोसिएशन के संजय पगारिया, राजेश मदान, विवेक जैन, पदम सुराना, मुकेश गुप्ता, अनाज तिलहन संघ के अतुल शाह, उद्योग संघ के अध्यक्ष ब्रज आशीष पांडे, सचिव पीयूष तिवारी, अंबेश बलवापुरी, बैतूल जनरल एवं किराना संघ के अध्यक्ष गजानंद मोटवानी, धर्मेंद्र मेहता, टूटू भार्गव, धीरज हिरानी, बबन आहूजा, जिला औषधि संघ के दीपक सलूजा, सराफा एसोसिएशन के उषभ गोठी, लोकेश पगारिया, अतीत पंवार, अतीत अग्रवाल, लड्डू अग्रवाल, कुशकुंज अरोरा, बलराम मालवीय, प्रतीक शाह आदि व्यापारी मौजूद थे।

थल सेना अग्नि वीर सैनिक को सरपंच अकिला राजेश ने किया सम्मानित

आष्टा। ग्राम लसुड़लिया विजय सिंह मैं प्रथम थल सेनानी वीर सैनिक निखिल जितेंद्र सिंह ठाकुर अपनी ट्रेनिंग पुर्ण कर ग्रह गांव में प्रथम आगमन पधारने पर ग्राम पंचायत लसूड़लिया विजय सिंह मैं घर घर चौराहे चौराहे पर बड़े हर्षोल्लास से तिलक फूल माला साफे के साथ स्वागत अभिनंदन किया गया ग्राम पंचायत द्वारा सैनिक निखिल को हार,दुपट्टा,मिठाई खिलाते हुए सम्मानित किया और अशोक स्तंभ स्मृति चिन्ह् भेंट कर देश की सच्ची सेवा कर वीर सैनिकों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर अपने मात-पिता एवं ग्राम,तहसील,देश का नाम गोरवान्वित करें सरपंच

प्रतिनिधि राजेश सोलंकी व ग्राम पंचायत लसूडिया विजय सिंह आपके उज्जवल भविष्य की कामना कर बधाइयां प्रेषित की एवं ग्रामीण जनों के साथ दुर दूर से पधारे मेहमान बन्धुओं का हार्दिक-हार्दिक स्वागत अभिनंदन कर आपके अमूल्य समय का आभार व्यक्त करती है कार्यक्रम में स्वागत करता-श्री कमल सिंह,श्री धिरज सिंह पटेल,मनोहर सिंह,विक्रम सिंह सचिव,भूपेंद्र सिंह,भारत सिंह, जय सिंह,यशवंत सिंह नेताजी,रविंद्र सिंह,जितेंद्र सिंह धनगर,रविंद्र नेताजी एवं समस्त ग्राम वासियों सहीत सरपंच अकिला राजेश सोलंकी उपस्थित रहे।

बैरसिया नपा को मिले 6 मनोनीत पार्षद कलाबाई पटेल साहित अन्य का स्वागत

रिपोर्टर विनय पटेल

बैरसिया। नगर पालिका परिषद में शासन द्वारा 6 एल्डरमैन यानी मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त एल्डरमैन में वार्ड क्रमांक 15 से श्रीमती कलाबाई पटेल, वार्ड क्रमांक 12 से श्रीमती मोना शिल्पी, वार्ड क्रमांक 5 से जितेंद्र सोलंकी, वार्ड क्रमांक 13 से राधेश्याम शिल्पकार, वार्ड क्रमांक 18 से राकेश गुप्ता और वार्ड क्रमांक 13 से कुलदीप शर्मा का नाम शामिल है।

नियुक्ति के बाद बैरसिया रेस्ट हाउस में विधायक विष्णु खत्री ने नवनियुक्त एल्डरमैन से भेंट की। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से श्रीमती कलाबाई पटेल का पुष्पगुच्छ और पुष्पमाला भेंट कर स्वागत किया और सभी को बधाई दी। इस अवसर पर विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आप सभी जनसेवा विकास एवं नगर के सर्वांगीण उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हुए बैरसिया की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे

रथ पर सवार होकर जग के नाथ जगन्नाथ, श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर कमाया पुण्य लाभ

शिवपुरी। जिला मुख्यालय शिवपुरी पर उत्साह और उल्लास के साथ नगर में जगत के नाथ भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य और दिव्य रथ यात्रा निकाली।गई। इस रात यात्रा का नगर में धर्मप्रेमीजनों के द्वारा भगवान का रथ खींचकर पुण्य लाभ कमाया और धर्म की ध्वज पताका फहराई। इस अवसर पर स्थानीय तात्याटोपे पार्क से प्रारंभ हुई इस रथ यात्रा का नगर में अनेकों स्थानों पर रंगोली, पुष्प वर्षा कर आगवानी की गई। भीनी भीनी से बारिश की बूंदों के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का कोर्ट रोड पर शिवपुरी विकास मंच एवं श्रीगणेश सांस्कृतिक समारोह समिति न्यू ब्लॉक अध्यक्ष तेजमल सांखला की मौजूदगी संस्था सदस्यों के द्वारा पुष्प वर्ष और जल वितरण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्था के अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। हरे कृष्ण हरे,, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे, हरे राम हरे राम,,, राम राम हरे हरे को संगीतमय धुनो पर श्रद्धालुजन पूरे रथयात्रा मार्ग में प्रभु भक्ति करते हुए नजर आए।

चरनोई भूमि को निजी दर्ज कराने के मामले में कलेक्टर ने की कार्यवाही

शिवपुरी। तहसील नरवर के ग्राम जैतपुर में शासकीय चरनोई भूमि को गलत तरीके से निजी नाम पर दर्ज कराने के एक मामले में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कार्यवाही की है। जिला मजिस्ट्रेट ने कलेक्टर न्यायालय में प्रचलित मामले में भूमि को वापस शासकीय दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

ग्राम जैतपुर के सर्वे क्रमांक 1589 में 3.13 हेक्टेयर चरनोई भूमि दर्ज थी। इसमें से 0.51 हेक्टेयर भूमि वर्ष 2005 में व्यवस्थापन आदेश के जरिए मुनेश कुमार शर्मा के नाम दर्ज की गई थी। इसके बाद मुनेश कुमार ने यह भूमि वर्ष 2008 में किरण शर्मा को बेच दी, जबकि इस तरह की व्यवस्थापन भूमि को बेचने के लिए मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 के अंतर्गत कलेक्टर की अनुमति लेना जरूरी होता है।परन्तु बिना अनुमति के यह जमीन बेची गई थी।इस मामले को जांच में यह भी सामने आया कि विक्रय पत्र में लिखा गया था कि यह जमीन शासकीय पट्टे की नहीं है, जबकि राजस्व अभिलेख इसके विपरीत थे। इसके अलावा नामांतरण का आधार ग्राम पंचायत का ठहराव प्रस्ताव बताया गया जो पंचायत कार्यालय में उपलब्ध नहीं पाया गया। कलेक्टर न्यायालय ने इस मामले में अपना निर्णय लिया है। शासन से व्यवस्थापन में मिली जमीन को बिना कलेक्टर की अनुमति के बेचना कानून के विरुद्ध है। इसलिए सर्वे क्रमांक 1589/3 रकबा 0.51 हेक्टेयर भूमि को वापस शासकीय दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं।

मूंग खरीदी केंद्रों का निरीक्षण, बनखेड़ी में एक्स 702 किसानों से 60,094.50 क्विंटल उपज की खरीदी

बनखेड़ी। सोमवार को कृषि विस्तार अधिकारी एवं मूंग खरीदी प्रभारी रूपल राजपूत ने अपनी टीम के साथ एसडब्ल्यूसी मछेरा कलां, महुआखेड़ा, बनखेड़ी सहित अन्य मूंग खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खरीदी व्यवस्था, तौल, भंडारण एवं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के बाद प्रभारी रूपल राजपूत ने बताया कि म ह ुआ ख े ड ़ा, एसडब्ल्यूसी मछेरा कलां और सामनापुर सहित विभिन्न खरीदी केंद्रों पर अब तक 702 किसानों ने अपनी मूंग का विक्रय किया है। बनखेड़ी क्षेत्र के खरीदी केंद्रों पर कुल 60,094.50 क्विंटल मूंग की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में चला नशा मुक्ति जागरुकता अभियान

सिलवानी। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिलवानी में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और उन्हें जागरूक नागरिक बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम वीर शिवाजी शिक्षण समिति एवं विद्या भारती मध्यभारत प्रान्त के तत्वावधान में संचालित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हरिओम चौवे सहायक उप निरीक्षक सहित अन्य सिलवानी थाना पुलिस के अधिकारियों ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा

कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य तीनों को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने और अपने साथियों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को साइबर अपराधों से बचाव, यातायात नियमों के पालन तथा करियर निर्माण के प्रति सजग रहने की भी प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है। नशे की लत से बचकर ही आप अपने और अपने परिवार के सपनों को साकार कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। विद्यालय के प्राचार्य विपिन बिहारी राजपूत ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस द्वारा दिया गया मार्गदर्शन छात्रों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा तथा विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

मुख्य ओवरब्रिज के नीचे फिर पनपा अतिक्रमण, खुलेआम बिक रहा मटन-चिकन, अवैध शराब कारोबार के भी आरोप

नर्मदापुरम। प्रदेश सरकार द्वारा अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों पर सख्ती के निर्देश दिए जाने के बावजूद संभाग मुख्यालय नर्मदापुरम में हालात अलग ही तस्वीर पेश कर रहे हैं। शहर के मुख्य ओवरब्रिज के नीचे बंगाली कॉलोनी के गेट के पास अवैध रूप से संचालित दुकानों में खुलेआम मटन और चिकन की बिक्री हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि देर शाम होते ही इसी क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार भी शुरू हो जाता है, जिससे आसपास रहने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। एसपीआरडीसी के सड़क से लगे सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर मटन की अवैध दुकानें ओर मकान तान लिये गये है जिससे अब लोगों को आने जाने में भी परेशानियां का सामान करना पड़ता है।

रहवासियों का कहना है कि ब्रिज के नीचे फैले अतिक्रमण के कारण न केवल गंदगी और दुर्गंध फैल रही है, बल्कि यातायात भी प्रभावित होता है। क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से कई बार शिकायत करने का दावा भी किया है। गौरतलब है कि करीब दो वर्ष पहले नगर पालिका ने अभियान चलाकर ब्रिज के नीचे से अतिक्रमण हटाया था, लेकिन समय के साथ फिर से अवैध कब्जे हो गए। अब सवाल उठ रहे हैं कि जब संभाग मुख्यालय की यह स्थिति है तो अन्य नगरों में हालात कैसे होंगे।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ब्रिज के नीचे दोबारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए और यदि अवैध शराब कारोबार जैसी शिकायतें सही पाई जाती हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों का यह भी सवाल है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी और सिटी मजिस्ट्रेट इस मार्ग का निरीक्षण क्यों नहीं करते और आम जनता की समस्याओं पर कब ध्यान दिया जाएगा।

धैर्य और सात्विक परिणाम ही सफलता का आधार : बसंतजी महाराज

सिलवानी। नगर के तारण तरण जैन चैत्यालय में वर्षावास कर रहे अध्यात्म रत्न, इतिहास रत्नाकर, बाल ब्रह्मचारी बसंतजी महाराज के सान्निध्य में सोमवार को आयोजित प्रात:कालीन धर्मसभा श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रही। धर्मसभा में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित रहे और महाराज श्री के प्रेरणादायी प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया। आगामी 29 जुलाई को चैत्यालय में वर्षावास कलश स्थापना का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां भी समाज द्वारा प्रारंभ कर दी गई हैं।

अपने प्रवचन में बसंतजी महाराज ने कहा कि मनुष्य को उसके परिणामों के अनुरूप ही फल की प्राप्ति होती है। यदि व्यक्ति के विचार सात्विक, धार्मिक, निर्मल और छल-कपट से रहित हैं तो उसके जीवन में न तो निराशा आती है और न ही असफलता स्थायी रूप से स्थान बना पाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिणामों की निरंतर संभाल करनी चाहिए, क्योंकि शुद्ध परिणाम ही जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। महाराज श्री ने धैर्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि धैर्य खोने से परिणाम और परिस्थितियां दोनों बिगड़ जाती हैं, जबकि धैर्य बनाए रखने वाला व्यक्ति हर कठिनाई का समाधान सहजता से खोज लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन की अनेक समस्याओं का एकमात्र प्रभावी मंत्र धैर्य है। धैर्यवान व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलित निर्णय लेकर सफलता की ओर अग्रसर होता है।

पानी और उद्योगों पर भी हुई चर्चा

मानसून सत्र : यूसीसी पर गरमाई विधानसभा, अनुपूरक बजट पेश

सच संवाददाता ।। भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सदन में आज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, वर्ष 2026-27 के पहले अनुपूरक बजट, औद्योगिक विकास और पेयजल व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच यूसीसी को लेकर तीखी बहस देखने को मिली।

भाजपा विधायक रीति पाठक ने सीधी विधानसभा क्षेत्र में नई औद्योगिक विकास योजना और स्थानीय युवाओं के रोजगार को लेकर सवाल उठाया। इसके जवाब में उद्योग मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि चिन्हित औद्योगिक इकाइयों पर जल्द काम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि एमएसएमई इकाइयों को स्थापना के लिए दो वर्ष और बड़ी औद्योगिक इकाइयों को तीन वर्ष का समय दिया जाता है। रीति पाठक के पूरक प्रश्न पर मंत्री ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दौरान सीधी जिले के लिए आठ निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से तीन इकाइयां स्थापित हो चुकी हैं, एक प्रस्ताव प्रक्रिया में है, जबकि चार निवेशकों ने अब तक आगे कोई सक्रियता नहीं दिखाई है।

यूसीसी पर भाजपा का दावा- भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि समान नागरिक संहिता को लेकर मध्यप्रदेश के 10 लाख से अधिक लोगों ने अपनी राय दी है और अधिकांश लोगों ने यूसीसी लागू करने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यूसीसी लागू होकर रहेगा।

पानी की समस्या पर सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे मुख्यमंत्री- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में पेयजल संकट को लेकर कहा कि पहले अधिकांश योजनाएं केवल नदियों पर आधारित थीं, लेकिन अब जहां-जहां से पानी उपलब्ध हो सकता है, वहां से व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दीर्घकालीन जल प्रबंधन के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी दलों से सुझाव लेकर प्रदेशभर में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान यूसीसी, औद्योगिक निवेश, जल प्रबंधन और वित्तीय विषयों पर सरकार और विपक्ष के बीच विस्तृत चर्चा जारी रही।

विधानसभा अध्यक्ष ने पुस्तक का किया विमोचन

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधान से जन कल्याण-16वीं विधानसभा के कार्यकाल के दो वर्ष पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में विधानसभा के लगभग दो वर्षों के कार्यकाल की प्रमुख संसदीय गतिविधियां, समितियों के कार्य, ई-विधान की पहल, विशेष सत्रों और विभिन्न संवैधानिक एवं समसामयिक विषयों पर आधारित लेखों का संकलन किया गया है।

दतिया उपचुनाव: भाजपा ने चुनाव प्रचार रथों को दिखाई हरी झंडी, प्रचार अभियान हुआ तेज

सच संवाददाता ।। भोपाल

दतिया उपचुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को गति देते हुए आज चुनाव प्रचार रथों को रवाना किया। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने दतिया स्थित पार्टी के चुनाव कार्यालय से प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं दतिया उपचुनाव के सह प्रभारी राहुल कोठारी, संभाग प्रभारी अभय यादव, पूर्व विधायक जीतू जिराती, जिला प्रभारी गजेंद्र सिकरवार तथा जिला अध्यक्ष रघुवीर कुशवाह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पार्टी नेताओं ने प्रचार रथों को रवाना करते हुए कार्यकर्ताओं से घर-घर पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों और पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। भाजपा का कहना है कि चुनाव प्रचार रथों के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और शहरी इलाकों में मतदाताओं तक पहुंचकर जनसंपर्क अभियान को और प्रभावी बनाया जाएगा। चुनाव को देखते हुए पार्टी ने संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क कार्यक्रमों में भी तेजी ला दी है।

एम्स भोपाल में रुमेटोलॉजी क्रिटिकल केयर और मेडिकल जेनेटिक्स विभाग होंगे शुरू

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। संस्थान में जल्द ही रुमेटोलॉजी, क्रिटिकल केयर मेडिसिन और मेडिकल जेनेटिक्स जैसे तीन नए सुपर स्पेशियलिटी विभाग शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही मरीजों को बेहतर और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 135 नए विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी।

एम्स प्रशासन के अनुसार नए विभाग शुरू होने से जटिल और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को अन्य राज्यों के बड़े अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। रुमेटोलॉजी विभाग में गठिया और ऑटोइम्यून रोगों का उपचार होगा, जबकि क्रिटिकल केयर विभाग गंभीर मरीजों के इलाज को और सशक्त बनाएगा। मेडिकल जेनेटिक्स विभाग आनुवंशिक और दुर्लभ बीमारियों की जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

विशेषज्ञ सेवाओं का होगा विस्तार- 135 नए विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के बाद एम्स भोपाल में विभिन्न विभागों की चिकित्सा सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी। इससे ओपीडी और आईपीडी दोनों में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी तथा इलाज के लिए लंबी प्रतीक्षा का समय कम होने की उम्मीद है। नए विभाग शुरू होने से मध्य प्रदेश के साथ-साथ आसपास के राज्यों से आने वाले मरीजों को भी उन्नत चिकित्सा सुविधाएं एक ही संस्थान में मिल सकेंगी। विशेष रूप से गंभीर, जटिल और आनुवंशिक बीमारियों के उपचार में मरीजों को आधुनिक और विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ मिलेगा।

बजरिया इलाके में हुई वारदात

स्कार्पियो के आगे से स्कूटी हटाने को कहा तो युवकों ने छुरी से कर दिया जानलेवा हमला

भोपाल।। स्कार्पियों के सामने स्कूटी लगाने की बात पर युवक का तीन अज्ञात युवकों से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर अज्ञात युवकों ने स्कॉर्पियो से आए युवक व उसके साथी पर छुरी से जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद तीनों मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बजरिया थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि रामकुमार रघुवंशी पिता सियराम रघुवंशी (26) कटारा हिल्स में रहते हैं तथा प्राइवेट काम करते हैं। कल देर रात वे अपनी बुआ के लड़के के साथ खाना खाने के लिए स्टेशन बजरिया इलाके में गए थे। यहां पर एक होटल के सामने उन्होंने अपनी स्कार्पियों पार्क कर दी थी। थोड़ी देर बाद जब वे खाना खाकर बाहर आए तो उन्होंने देखा कि उनकी स्कार्पियों के आगे एक स्कूटी खड़ी थी जिस पर एक युवक बैठा था जबकि दो युवक पास में ही खड़े थे। रामकुमार ने उन्हें स्कूटी हटाने का कहा तो युवकों ने कहा गाड़ी कहीं और से निकाल लो। इसी बात को लेकर रामकुमार और तीनों युवकों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो तीन युवकों में से एक युवक ने पेंट की जेब से छुरी निकाली तथा रामकुमार व उसके भाई पर वार कर दिया। हमला करने के बाद तीनों युवक मौके से भाग निकले। हमले में घायल दोनों भाईयों को इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को फुटेज मिल गए हैं, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुरानी रंजिश में पड़ोसी भिड़े

टीटी नगर थानांतर्गत पत्रकार कॉलोनी में कचरा फेंकने की बात को लेकर चार लोगों ने एक परिवार पर हमला कर दिया, जिससे युवती समेत तीन लोगों को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने बताया कि 24 वर्षीय ज्योति अहिरवार पत्रकार कालोनी के पीछे झुग्गीबस्ती में रहती हैं। मोहल्ले में रहने वाले मोहित के परिवार वालों ने पिछले दिनों एक घर के सामने कचरा फेंक दिया था। मकान मालिक ने इसका विरोध किया तो ज्योति के घरवालों ने भी वहां कचरा नहीं फेंकने की समझाईश दी थी। इसी बात को लेकर रविवार की रात करीब एक बजे मोहित, विशाल और अंकित ने ज्योति के परिवार वालों के साथ विवाद किया। परिवार वालों ने जब इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर लाठी-डंडे और तलवार से हमला कर दिया। इस हमले में ज्योति के साथ ही संदीप और एक अन्य महिला को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने तीनों युवकों और उनकी मां के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

भोपाल में दो एसडीएम के प्रभार बदले

आशुतोष शर्मा बने गोविंदपुरा एसडीएम शिवांगी बघेल को बैरसिया की जिम्मेदारी

भोपाल। राजधानी में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर दो अनुविभागीय अधिकारियों (एसडीएम) के प्रभार में फेरबदल किया गया है। कलेक्टर प्रियंक मिश्र ने जारी आदेश के तहत डिप्टी कलेक्टर आशुतोष शर्मा को गोविंदपुरा का एसडीएम और डिप्टी कलेक्टर शिवांगी बघेल को बैरसिया का एसडीएम नियुक्त किया है। आशुतोष शर्मा पिछले करीब दो वर्षों से बैरसिया में एसडीएम के रूप में पदस्थ थे। इस दौरान उन्होंने कई प्रशासनिक नवाचार और जनहित के कार्य किए। उनके कार्यों को देखते हुए अब उन्हें गोविंदपुरा जैसे महत्वपूर्ण अनुभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले में पदस्थापना की प्रतीक्षा कर रहीं डिप्टी कलेक्टर शिवांगी बघेल को बैरसिया तहसील का नया अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) बनाया गया है। 15 जून को तत्कालीन गोविंदपुरा एसडीएम भुवन गुप्ता के नगर निगम में तबादले के बाद एमपी नगर एसडीएम एलके खरे को गोविंदपुरा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। अब आशुतोष शर्मा की नियुक्ति के बाद एल.के. खरे को अतिरिक्त प्रभार से जल्द मुक्त किए जाने की संभावना है। एल.के. खरे का अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नति और स्थानांतरण भी हो चुका है। भोपाल में वर्तमान एसडीएम व्यवस्था के तहत हुजूर - विनोद सोनकिया, टीटी नगर- अर्चना शर्मा,एमपी नगर - एल.के. खरे,सिटी सर्किल - दीपक पांडे,कोलार-पी.सी. पांडे,बैरसिया - शिवांगी बघेल,गोविंदपुरा-आशुतोष शर्मा को कमान सौपी गई है। इसके अलावा बैरागढ़ सर्किल की जिम्मेदारी हाल ही में संयुक्त कलेक्टर रवीश कुमार श्रीवास्तव को सौंपी गई है। प्रशासन का मानना है कि इस फेरबदल से जिले में प्रशासनिक कार्यों की गति और समन्वय को मजबूती मिलेगी।

पत्नी से झगड़े के बाद युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। पति को शराब की लत होने के कारण घर में कलह होती थी। बीती रात भी जब उनके बीच विवाद हुआ तो पति ने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इधर बिलखरिया इलाके में दसवीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगा ली। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय आकाश यादव पिपालिया पैंदे खा में रहता था। वह एम्स के सामने चाय नाश्ते की दुकान लगाता था। उसे शराब पीने की लत थी। वह तकरीबन रोजाना ही शराब के नशे में घर पहुंचता था।

पत्नी उसे शराब पीने से मना करती थी तो उनके बीच झगड़ा हो जाता था। बती रात भी आकाश नशे की हालत में घर पहुंचा तो उसका पत्नी से झगड़ा हो गया। झगड़ा जब बढ़ने लगा तो पत्नी घर से बाहर चली गई। थोड़ी देर बाद जब वह वापस घर पहुंची तो उसे आकाश फन्दे पर लटका मिला। फन्दे से उतारकर उसे अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया। पुलिस का कहना है कि मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है साथ ही परिजनों के बयान नहीं हुए हैं जिसकी वजह से आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी है। इधर बिलखिरिया इलाके में एक किशोरी ने फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि कन्हासैया निवासी एंजल (17) कक्षा दसवीं की छात्रा थी। घर में मां, बड़ी बहन और छोटा भाई है। मां प्राइवेट काम करती है। सोमवार को मां अपने काम पर चली गई थी। छोटा भाई स्कूल तथा बड़ी बहन किसी काम से बाहर गई थी। दोपहर करीब एक बजे जब बड़ी बहन लौटी तो उसे एंजल फंदे पर लटकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथ मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि सुसाइड न मिलने व परिजनों के बयान न हो पाने के कारण आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी है। इधर बैरसिया इलाके में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार पार्क सिटी निवासी सतीश लौवंशी पुत्र प्रभलाल लौवंशी (28) प्रायवेट का काम करता था। कल सुबह उसने अपने घर में रखा हुआ जहरीला पदार्थ खा लिया था। तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जहर खाने के कारणों का पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भोपाल रेलवे स्टेशन की मेडिकल इमरजेंसी व्यवस्था पर सवाल

भोपाल। राजधानी के भोपाल रेलवे स्टेशन पर मेडिकल इमरजेंसी सेवाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था पर्याप्त रूप से सुदृढ़ नहीं है और मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए प्रशिक्षण की जिम्मेदारी डॉक्टरों पर है, जबकि जरूरत के समय यात्रियों को समय पर और समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। जानकारी के अनुसार स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही होती है, लेकिन अचानक तबीयत बिगड़ने, हार्ट अटैक, बेहोशी या अन्य आपात स्थितियों में तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। कई मामलों में प्राथमिक उपचार मिलने में देरी होने की शिकायतें सामने आई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ, पर्याप्त जीवनरक्षक उपकरण, एंबुलेंस और त्वरित उपचार की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। इससे गंभीर मरीजों को शुरुआती गोल्डन ऑवर में बेहतर चिकित्सा सहायता मिल सकती है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर मेडिकल सहायता की उपलब्धता और प्रतिक्रिया समय में सुधार की आवश्यकता है। उनका मानना है कि आपात स्थिति में केवल औपचारिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

रहवासियों ने कहा- क्या इंदौर जैसी त्रासदी का इंतजार है

जहरीले पानी का संकट! पिपलिया पेंदे खां के नलों से आ रहा गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी

सच संवाददाता ।। भोपाल

राजधानी भोपाल के साकेत नगर क्षेत्र स्थित एम्स अस्पताल के सामने पिपलिया पेंदे खां में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। एक ओर क्षेत्र के लोग कम दबाव और सीमित समय तक पानी की आपूर्ति से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर अब नलों से गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आने से लोगों में दहशत का माहौल है। रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम और जनप्रतिनिधियों ने समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले दो महीने से नगर निगम के जोन कार्यालय, क्षेत्रीय पार्षद और जलापूर्ति कर्मचारियों को लगातार शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन अब तक न तो पाइपलाइन की जांच हुई और न ही दूषित पानी की समस्या दूर की गई। लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

रहवासियों के अनुसार, नलों से आने वाला पानी बदबूदार होने के साथ-साथ मटमैला भी है। ऐसे पानी का उपयोग पीने, भोजन बनाने और दैनिक कार्यों में करना स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गया है। लोगों को आशंका है कि जलापूर्ति पाइपलाइन में लीकेज होने या सीवेज लाइन का पानी मिलने से पेयजल दूषित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जलजनित बीमारियां फैल सकती हैं। उनका कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना या जनस्वास्थ्य संकट का इंतजार करने के बजाय तत्काल कार्रवाई करे।

जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पेयजल में सीवेज का मिश्रण हो रहा है तो इससे डायरिया, टाइफाइड, हैजा, हेपेटाइटिस-ए जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे मामलों में संबंधित विभाग को तत्काल पानी की गुणवत्ता की जांच कर प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना चाहिए।

जलापूर्ति पाइपलाइन का तकनीकी निरीक्षण कर लीकेज दूर किया जाए।

तीन सप्ताह के अंतराल में फिर सक्रिय हुआ मानसून, लुढ़का पारा

शहर में झमाझम बारिश का दौर शुरू, गर्मी और उमस से मिली राहत

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

तीन सप्ताह के अंतराल के बाद मध्यप्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रदेश में दो नए मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने के कारण वर्षा की गतिविधियों में तेजी आई है। स्थानीय स्तर पर बने मौसम तंत्र के प्रभाव से पूरे सप्ताह अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। राजधानी भोपाल में मंगलवार रात से झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। तेज बारिश के चलते शहर का मौसम सुहावना हो गया और लोगों को कई दिनों से पड़ रही गर्मी व उमस से राहत मिली। बारिश शुरू होते ही शहर की सड़कों पर पानी भरने की स्थिति बन गई। कई प्रमुख मार्गों पर वाहन चालकों को धीमी गति से सफर करना पड़ा। वहीं, बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और वातावरण में ठंडक घुल गई। बीती शाम से ही आसमान में घने बादल छाए हुए थे, जिसके बाद रात में तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम बदलने से लोगों ने राहत की सांस ली। कई क्षेत्रों में लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए, जबकि बच्चों ने भी बारिश का भरपूर लुत्फ उठाया।

मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों के दौरान भोपाल और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने नागरिकों से जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। बारिश से किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिली है, क्योंकि इससे खरीफ फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि लगातार बारिश की स्थिति में निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी बढ़ सकती है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई के आखिरी सप्ताह में एक मजबूत मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने की संभावना है। यदि यह तंत्र प्रभावी रहा तो प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार अच्छी बारिश हो सकती है और सामान्य वर्षा के मुकाबले चल रही कमी काफी हद तक पूरी होने की उम्मीद है।

पोषण आहार घोटाला: लोकायुक्त के सामने पेश होंगी एसीएस दीपाली रस्तोगी, जांच में तेजी

भोपाल। महिला एवं बाल विकास तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े कथित टेक होम राशन और पोषण आहार मामले की जांच में लोकायुक्त संगठन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जांच के दायरे में कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। इसी क्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव (एसीएस) दीपाली रस्तोगी को लोकायुक्त के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, लोकायुक्त संगठन इस मामले में पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, तत्कालीन एसआरएलएम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर रहा है। बताया जा रहा है कि विधानसभा में सरकार द्वारा दिए गए जवाब और लोकायुक्त के रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के बीच कुछ बिंदुओं पर विरोधाभास सामने आने के बाद जांच को और गंभीरता से आगे बढ़ाया जा रहा है।

कई नोटिस के बाद भी नहीं हुई पेश

जानकारी के अनुसार, लोकायुक्त संगठन द्वारा कई बार नोटिस और स्मरण पत्र भेजे जाने के बावजूद एसीएस दीपाली रस्तोगी अब तक लोकायुक्त कार्यालय में उपस्थित नहीं हुईं। विभाग की ओर से उनके कार्यालयीन व्यस्तता का हवाला दिया गया। विधानसभा में भी सरकार ने स्वीकार किया कि व्यस्तता के कारण वे लोकायुक्त कार्यालय नहीं जा सकीं। अब लोकायुक्त संगठन ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी और जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506